दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 284 ■ जबलपुर, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

20 हजार के इनाम के बाद सिरप कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार

एमपी एसआईटी ने चेन्नई से पकड़ा; जहरीला कफ सिरप इसी की कंपनी का, अबतक 24 मौतें

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई रक्ळ की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। रक्ळ ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं।

रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उसका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था।

छिंदवाड़ा महापौर बोले- अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे : छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अह-के ने कहा है कि बच्चों की मौतों को देखते हुए वे 10 अक्टूबर को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने समर्थकों से अपील की है कि केक, बुके, आतिशबाजी, फ्लैक्स और उपहारों की राशि इकट्ठा कर पीड़ित परिवार को दी जाए। इसके लिए महापौर निवास पर एक बॉक्स लगाया जाएगा, जिसमें सहयोग की राशि डाली जा सकती है।

केमिकल खरीदी का न बिल, न एंट्री : इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। तमिलनाडु डायरेक्टर ऑफ ड्रग्स कंट्रोल की रिपोर्ट में सामने आया है कि यह सिरप नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल से तैयार किया गया था। जांच के दौरान कंपनी के मालिक ने मौखिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने दो बार में प्रोपलीन ग्लायकॉल के 50 किलो के दो बैग खरीदे थे। यानी कंपनी ने 100 किलो जहरीला केमिकल खरीदा था। जांच में इसका न कोई बिल मिला है, न खरीद की एंट्री की गई। पूछताछ में जांच अधिकारियों को बताया गया कि भुगतान कभी कैश तो कभी गूगल पे से किया था।

जहरीले केमिकल की मात्रा 486 गुना ज्यादा
दवा बनाने वाली कंपनी ने घटिया क्वालिटी का प्रोपलीन ग्लायकॉल खरीदा। उसका कभी टेस्ट भी नहीं कराया। चौंकाने वाली बात यह है कि कंपनी के पास न तो खरीदी के बिल हैं और न ही प्रयोग किए गए केमिकल के रिकॉर्ड मौजूद हैं। लैब जांच में यह भी पाया गया कि सिरप में डाईएथिलीन ग्लायकॉल और एथिलीन ग्लायकॉल जैसे जहरीले रसायनों की मौजूदगी तय सीमा से 486 गुना अधिक थी। इधर, एक एक्सपर्ट ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया है कि यह मात्रा न सिर्फ बच्चों के लिए घातक है बल्कि यह हाथी के बराबर के जानवर की भी किडनी और ब्रेन को नष्ट कर सकती है।

मार्च में खरीदा गया था केमिकल : जांच रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने चेन्नई की सनराइज बायोटेक से 25 मार्च 2025 को प्रोपलीन ग्लायकॉल खरीदा था। यह नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड का था यानी दवा बनाने के लिए उपयुक्त नहीं था। इसके बावजूद कंपनी ने न तो इसकी शुद्धता जांची और न ही इसमें डाईएथिलीन ग्लायकॉल या एथिलीन ग्लायकॉल की मात्रा का परीक्षण किया।

मुख्यमंत्री नागपुर पहुंचे, बच्चों का हाल जाना

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं। इससे पहले सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार हर कदम पर पीड़ित परिवारों के साथ है। सभी बच्चों का इलाज सरकार ही कराएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी

भारतीय वायुसेना के ट्रेनर ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स को ट्रेनिंग देंगे

नई दिल्ली। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे।

पीएम मोदी ने इस तस्वीर को एक्स पर शेयर किया और लिखा- पीएम स्टार्मर और मैंने आने वाले समय में हमारे देशों के बीच व्यापारिक संबंधों और आर्थिक संबंधों पर चर्चा की। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं।

मोदी बोले- इकॉनमी में बड़े सुधार हो रहे
मोदी ने कहा कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े सुधार हो रहे हैं। उनका जोर कारोबार को आसान बनाने और नियमों को सरल बनाने पर है। मोदी ने कहा कि हाल ही में सरकार ने GST सुधार की घोषणा की है। इससे मध्यम वर्ग और छोटे-मध्यम व्यवसायों की वृद्धि को नई ताकत मिलेगी और निवेशकों और व्यवसायियों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

परमाणु ऊर्जा को निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा : भारत-यूके CEO फोरम में पीएम मोदी ने कहा अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भारत-यूके सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसर मिलेंगे। मोदी ने यह भी कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास उनकी प्राथमिकता है। भारत अगले पीढ़ी के भौतिक ढांचे में निवेश कर रहा है और 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और यूके मिलकर दुनिया के लिए नए मानक स्थापित कर सकते हैं।

भारत में दो डिजिटल बैंक कंपनियां नए निवेश करेंगी : जैसा कि मैंने पिछले दो दिनों में कई बार कहा, यह ट्रेड डील सिर्फ लिखित समझौता नहीं है। यह बताती है कि व्यापार में मुश्किलों को कैसे कम किया जाएगा, चाहे वो टैक्स (टैरिफ) हों या दूसरी तरह की रुकावटें।

जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार महिला आतंकियों की यूनिट बनाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (खीट) ने पहली बार महिला आतंकियों की एक अलग यूनिट बनाई है। इसका नाम 'जमात-उल-मोमिनात' रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी जानकारी ग्लोबल आतंकी मौलाना मसूद अजहर के नाम से जारी एक लेटर के जरिए सामने आई। लेटर के मुताबिक, इस नई यूनिट में भर्ती प्रोसेस 8 अक्टूबर से पाकिस्तान के बहावलपुर में मरकज उस्मान-ओ-अली में शुरू हो चुका है। इस यूनिट की कमान मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर संभालेगी। सादिया का पति यूसुफ अजहर 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारा गया था।

आतंकियों की पत्नी और गरीब महिलाओं को शामिल कर रहा : खीट अब आतंकियों की पत्नी और गरीब महिलाओं को भर्ती कर रहा है। ये महिलाएं बहावलपुर, कराची, मुजफ्फराबाद, कोटली, हरिपुर और मंसेहरा के मदसरों में पढ़ती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में आशंका जताई गई है कि इन महिला आतंकियों का इस्तेमाल आत्मघाती हमले में किया जा सकता है। यह संगठन पहले महिलाओं को लड़ाई में शामिल नहीं करता था, लेकिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद नियम बदले गए हैं। मसूद अजहर और उसके भाई तल्हा अल-सैफ ने महिलाओं को टीम में शामिल करने का फैसला लिया।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते

राजनाथ और मार्लेस की उपस्थिति में बनी सहमति

सिडनी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए गुरुवार को कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच यह सहमति बनी। राजनाथ सिंह ने कैनबरा के संसद भवन में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज, मार्लेस और दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। राजनाथ सिंह ने बताया कि इस बैठक में दोनों देशों ने आपसी रक्षा सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की, और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की पुष्टि की। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने और साझा क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने में ऑस्ट्रेलिया के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, हम एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए मिलकर सहयोग को और बढ़ायेंगे।

मार्लेस ने कहा, आज का दिन हमारे देशों के बीच गहरे विश्वास और रणनीतिक तालमेल में निहित है। यह अब हमारे दोनों के रक्षा बलों के बीच और भी गहरे परिचालन स्तर के जुड़ाव में बदल रहा है। हमारे ऑपरेशनल कमांड के बीच स्टाफ वार्ता के संबंध में हमने जो समझौता किया है, वह बेहद महत्वपूर्ण है। एक्स पर एक पोस्ट में, राजनाथ सिंह ने लिखा, मार्लेस के साथ उपयोगी बैठक हुई। हमने रक्षा उद्योग, साइबर रक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की। हमने अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की फिर से पुष्टि की।

उन्होंने लिखा, मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तेजी से विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली रक्षा तकनीक के एक विश्वसनीय स्त्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहरी रक्षा उद्योग साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की। मैं सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए उसका आभार व्यक्त करता हूं। हम साथ मिलकर एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और गहरा करेंगे।

सबरीमाला विवाद पर केरल विधानसभा में हंगामा

UDF के 3 विधायक निलंबित

नई दिल्ली। सबरीमाला में स्वर्ण-पत्तर चढ़ाने के विवाद ने गुरुवार को एक बार फिर केरल विधानसभा को हिलाकर रख दिया, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने भगवान अयप्पा मंदिर में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर स्वर्ण-पत्तर चढ़ाने में कथित अनियमितताओं को लेकर कार्यवाही बाधित की। यह विवाद इस दावे के इर्द-गिर्द घूमता है कि द्वारपालक की मूर्तियों पर चढ़ाया गया सोना पहले की तुलना में हल्का था, यह मुद्दा केरल उच्च न्यायालय की कार्यवाही के दौरान सामने आया था, जब कथित तौर पर अदालत की जानकारी के बिना सोने की परत चढ़ाने का एक नया दौर चलाया गया था। हंगामे के कारण अध्यक्ष एएन शमसीर को सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी, जिसके बाद यूडीएफ ने कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। विपक्षी विधायकों की विधानसभा के निगरानी और वार्ड कर्मियों से झड़प के बाद तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप मुख्य मार्शल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि चीफ मार्शल को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। यह वही व्यक्ति नहीं है जिसने पहले फर्जी चोट प्रमाण पत्र जारी किया था। उन्होंने अध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा मंत्री जो कुछ भी कहते हैं, उससे आपको कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जब मैं बोलता हूं तो आप बीच में ही टोकते रहते हैं। विपक्ष ने मूल मूर्तियों को कथित तौर पर भारी रकम में बेचने के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की माँग की और देवस्वओम मंत्री वीएन वासवन के इस्तीफे और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड को भंग करने की माँग की।

अमरीकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखा पत्र,

भारत पर लगे टैरिफ को वापस लेने का किया आग्रह

वाशिंगटन। अमरीकी कांग्रेस के 19 सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर उनसे भारत के साथ अमरीका के संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। सदस्य डेबोरा रॉस और रो खन्ना के नेतृत्व में इन सांसदों ने हाल ही में बढ़ाये गये आयात शुल्क को भी वापस लेने का भी आह्वान किया, क्योंकि इससे दोनों देशों के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सांसदों ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निमार्ताओं को नुकसान तो हुआ ही है और साथ ही अमरीकी आपूर्ति श्रृंखलाएं भी प्रभावित हुई हैं। इस फैसले से अमरीकी उपभोक्ताओं की जेब पर भी बोझ बढ़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन कार्रवाइयों ने दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर भी असर डाला है। सांसदों ने कहा कि हम कांग्रेस के सदस्य होने के नाते उन जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां बड़ी संख्या में भारतीय-अमरीकी समुदाय के लोग रहते हैं और उनके भारत के साथ मजबूत पारिवारिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं।

ट्रम्प प्रशासन की हालिया कार्रवाइयों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ संबंधों पर असर डाला है। उन्होंने कहा, ह्लहम आपसे इस महत्वपूर्ण साझेदारी को फिर से स्थापित करने और सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह करते हैं। पत्र में अमरीका-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार और रक्षा सहयोग के रणनीतिक और आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसमें कहा गया कि भारत, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाये रखने में एक प्रमुख साझेदार है और अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के क्वाड जैसे पहलों के माध्यम से वैश्विक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सांसदों ने अपने पत्र में खास तौर पर अगस्त 2025 के उस फैसले का जिक्र किया जिसमें भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला लिया गया था। इसमें शुरूआती 25 प्रतिशत ह्लपारस्परिकह्व टैरिफ और रूस से भारत की कच्चा तेल खरीद के जवाब में लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल था। इसके अलावा पत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत के साथ व्यापारिक साझेदारी दोनों देशों में लाखों रोजगारों को बढ़ावा देती है। अमेरिकी निमार्ता सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में जरूरी चीजों के लिए भारत पर निर्भर हैं। साथ ही भारत में निवेश करने वाली अमरीकी कंपनियों को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजारों में से एक तक पहुंच मिलती है, जबकि भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश किया है, जिससे रोजगार और आर्थिक अवसर पैदा हुए हैं।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

स्कूल भवन बने मौत के फंदे!

खस्ताहाल इमारतों में पढ़ रहे मासूम, हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन!

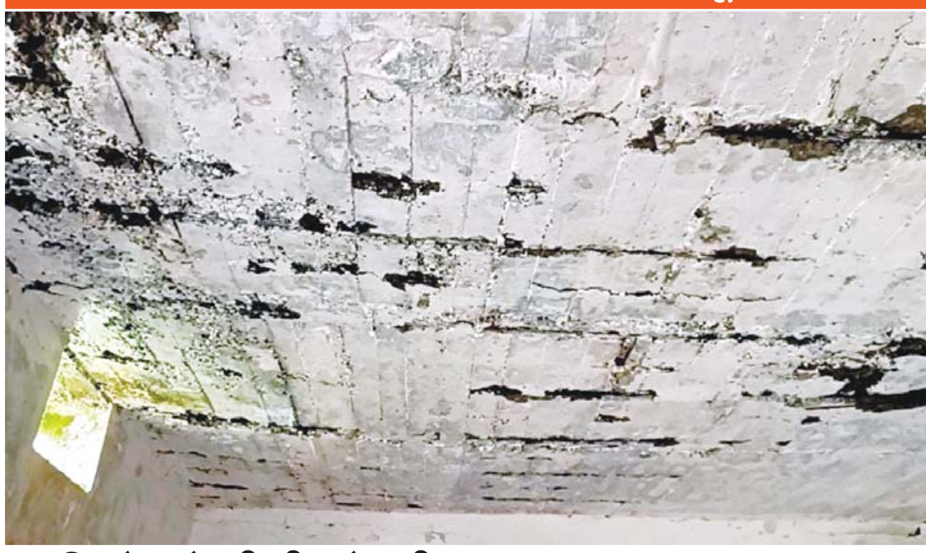

जिम्मेदारों की नींद में दबी ज़िंदगी — गिरने को तैयार भरोसा और दीवारें दोनों!

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मध्यप्रदेश का मंडला जिला आज एक मूक खतरे के साये में है, यहां ज्यादातर सरकारी स्कूलों की हालत जर्जर हो चुकी है। दीवारों में दरारें, छतों से टपकता पानी, उखड़ा पलस्तर और गिरते गेट, सवाल खड़ा करते हैं कि क्या शासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? शिक्षा के मंदिर अब खंडहरों में बदल चुके हैं। कई स्कूलों में बच्चों को छत के नीचे बैठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते शिक्षक यह स्थिति उस जिले की है जहां हर साल स्कूल भवन रखरखाव के लिए लाखों की राशि स्वीकृत होती है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस हैं।

राशि कहां जा रही है, क्यों जांच नहीं हो रही, यह बड़ा सवाल बन गया है। हर शिक्षा सत्र से पहले मरम्मत और रंग-रोगन का काम होना चाहिए, लेकिन मंडला में स्थिति उलट है, न मरम्मत, न रखरखाव, न निरीक्षण! क्या मंडला को भी हादसे का इंतजार है? हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ जिले में स्कूल की छत गिरने से मासूम बच्चे मलबे में दब गए, अब वही डर मंडला में मंडरा रहा है। यहां भी दर्जनों स्कूलों की छतें ऐसी हैं, जो किसी भी वक्त गिर सकती हैं। कहीं बच्चे टपकती छत के नीचे पढ़ रहे हैं, कहीं दीवारों पर दरारों के सहारे शिक्षा चल रही है। क्या प्रशासन तब जागेगा, जब किसी मासूम की चीखें इन दीवारों से टकराकर लौट आएंगी? कौन देगा जवाब जब हादसा होगा? कौन जिम्मेदारी लेगा जब कोई बच्चा मलबे में दबेगा? स्कूल, विकास के प्रतीक या मौत के ढांचे? राजस्थान की घटना एक आईना है — और मंडला को उस आईने में झांकना चाहिए। अब वक्त है कि प्रशासन कागजों से बाहर निकलकर सच्चाई देखे।

जनता की अपेक्षा है कि:

प्रत्येक ग्राम के स्कूल भवनों का भौतिक सत्यापन तत्काल किया जाए। सभी जर्जर भवनों की मरम्मत युद्धस्तर पर कराई जाए। स्कूलों में शौचालय, खेल मैदान और मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त किया जाए। क्योंकि अब स्कूल की छतें नहीं गिर रहीं, भरोसा गिर रहा है, सिस्टम गिर रहा है! और जब भरोसा गिरता है तो उसका मलबा सिर्फ दीवारों पर नहीं, पूरे समाज पर पड़ता है।

क्या फिर से घोषित होगा शिक्षक चयन परीक्षा परिणाम?

वेटिंग में अटकी शिक्षिकाओं की उम्मीदें—80% से अधिक अंक लाने के बाद भी नहीं मिली नियुक्ति, सरकार से जवाब की मांग तेज!

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला मध्यप्रदेश में शिक्षक वर्ग-2 भर्ती परीक्षा के परिणाम को लेकर एक बार फिर से संशोधन की चर्चा जोर पकड़ रही है। परीक्षा परिणाम आने के बाद भी बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी वेटिंग सूची में फंसी हुई हैं, जिससे उनमें भारी आक्रोश और असंतोष देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली कई महिलाएं अब तक नियुक्ति का इंतजार कर रही हैं। इनका कहना है कि उनके पास अतिथि शिक्षक अनुभव प्रमाणपत्र, एहर सर्टिफिकेट सहित सभी पात्रताएं होने के बावजूद भी चयन नहीं हुआ। अब परीक्षा परिणाम को लेकर सरकार और चयन बोर्ड की चुप्पी ने सवालों को और बढ़ा दिया है। चर्चाएं गर्म हैं कि शिक्षक चयन परीक्षा का परिणाम 30 अक्टूबर के आसपास दोबारा संशोधित रूप में घोषित हो सकता है। महिला अभ्यर्थियों ने स्पष्ट मांग की है कि यदि परिणाम में संशोधन होना है तो बिना किसी देरी के किया जाए, और वेटिंग में फंसी अभ्यर्थियों को तत्काल नियुक्ति दी जाए।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की शिक्षिकाओं का कहना है —

हमने मेहनत से परीक्षा पास की, 80% से अधिक अंक लाए, अनुभव भी है — फिर भी चयन नहीं! क्या यही है महिला सशक्तिकरण का स्वरूप?

अभ्यर्थियों की मांगें

अतिथि शिक्षक अनुभव प्रमाणपत्र का वेटेज जोड़ा जाए। एहर उम्मीदवारों को विशेष प्राथमिकता मिले। महिला आरक्षण का लाभ वास्तविक रूप से लागू किया जाए। यदि परिणाम पुनः घोषित होना है, तो उसमें और विलंब न किया जाए।

जन अपेक्षा:

शासन-प्रशासन पारदर्शिता बरतते हुए जल्द स्पष्ट करे कि शिक्षक चयन परीक्षा परिणाम फिर से घोषित होगा या नहीं, ताकि हजारों महिलाओं के भविष्य से खिलवाड़ न हो।

स्कूल के क्लासरूम में बेहोश हालत में मिली छात्रा - सिर पर चोट और चोटी कटी, देखकर दहशत में आए लोग, जिम्मेदार मोन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना बम्हनी बंजर के एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सुबह की पहली पारी में एक छात्रा क्लासरूम के अंदर बेहोश हालत में मिली। घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल स्टाफ ने उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। लेकिन इससे पहले देखा जाये तो सिर पर चोट के निशान और चोटी कटी हुई के पीछे की असली वजह क्या है — हादसा, शरारत या कुछ औरङ्ग अचानक हुई इस घटना से स्कूल परिसर में हड़कंप मच गयो मौके पर प्रशासन की टीम पहुंचकर पूरे मामले की जांच शुरू की। क्लासरूम और स्कूल परिसर में लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि छात्रा की

बेहोशी और बाल कटने के पीछे की वजह किसी शरारत, हादसे या किसी रहस्यमयी कारण से जुड़ी है। घटना की जानकारी लगते ही गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष व जिला शिक्षा स्थाई समिति के अध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम मौके पर पहुँचे और स्कूल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह घटना स्कूल प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है जहाँ शिक्षा और सुरक्षा का स्थान होना चाहिए, वहां से शराब (बियर) की बोतलें मिलना अत्यंत चिंताजनक और निंदनीय है। यह न केवल छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल उठाता है, बल्कि विद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी और निगरानी पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। जिले में इस तरह की घटनाओं का लगातार घटित होना प्रशासन की उदासीनता को उजागर करता है। आवश्यक है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए, दोषियों की पहचान कर उन पर कड़ी कार्रवाई हो तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कोटवारों ने रेडीमेड वर्दी के लिए बाध्य करने वाले आदेश के विरोध में सौपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार घुघरी और मण्डला को सौपा ज्ञापन बुधवार 8 अक्टूबर को घुघरी तहसील के कोटवारों ने घुघरी तहसील कार्यालय पहुंचकर एस डी एम और तहसीलदार के हाथों और मण्डला के कोटवारों ने मण्डला तहसील कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौपकर हाल ही में जारी आदेश का विरोध दर्ज किया है। शासन-प्रशासन बहरा बनना बंद करे- संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि कोटवार संगठन के द्वारा विरोध पर विरोध दर्ज करते आने के बाद भी शासन प्रशासन बहरा बना हुआ है। कोटवारों की मांग को सुनने की बजाय घटिया सामग्रियां सहित घटिया रेडीमेड वर्दी थमाए जाकर कोटवारों को ठगे जाने की दमनकारी नीति चलाई जा रही है?। इस संबंध में घुघरी तहसील कार्यालय से कोटवारों के लिए हाल ही में आदेश भी निकाला जा चुका है। जिसका कोटवार संगठन विरोध करता है। शासन और माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में लगा हुआ है।

मामला- इस मुद्दे को लेकर कोटवार प्रदेश संगठन के द्वारा लंबे समय से प्रदेशव्यापी ज्ञापन आंदोलन का दौर जारी है। इतना ही नहीं, कुछ महीनों पहले माननीय उच्च न्यायालय में भी याचिका लगाकर उसके संज्ञान में लाया गया है,कि जिस तरह इसके पहले वर्दी , जूते-चप्पल, टॉर्च और गरम कपड़े खरीदने के लिए कोटवारों के खातों में लगभग छः हजार कुछ रुपए जमा कराया जाता था। जिससे कोटवार अपने पसंद की और उपयोगी सामग्रियां सहित गुणवत्ता वाली वर्दी खरीदकर उपयोग करते आ रहे थे,उसी तर्ज पर आगे भी करते रहें।जिस शासन भी विचार कर रहा है और माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में भी मामला विचाराधीन है।

क्या है कोटवारों की मांग- जब तक माननीय उच्च न्यायालय से फैसला हो नहीं जाता है, कोटवार सामग्रियां सहित घटिया कपड़े से बने अनफिट ढीली-ढाली जोकर जैसी रेडीमेड वर्दी नहीं लेने की जिद पर अड़े हुए हैं,प्रशासन दबाव पर दबाव बनाना बंद करे।

जिम्मेदारों ने दी आठ दिन की राहत- ज्ञापन लेकर घुघरी एस डी एम और तहसीलदार ने कहा है,कि वे शासन के आदेशों से बंधे हुए हैं। सामग्रियों का वितरण करना रोका नहीं जा सकता। न्यायालय के निर्णय आने का इंतजार आठ दिवस तक किया जा सकता है।

इनकी रही उपस्थिति- ज्ञापन के दौरान शंकर दास पड़वार, सहायक जिला उपाध्यक्ष कुंवर दास सार्वा,नैनपुर तहसील अध्यक्ष राजकुमार दास गायगवाल, नैनपुर तहसील कार्यकारिणी सदस्य सरजू दास बघेल, घुघरी तहसील अध्यक्ष तिवारी दास पड़वार, घुघरी सचिव भगवान दास सोनवानी, मोहगांव उपतहसील अध्यक्ष ईश्वर दास बैरागी, गोविंद दास बैरागी मण्डला से धीरज दास बैरागी सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष कोटवार उपस्थित रहे।

थाना टिकरिया पुलिस ने सुने घर में हुए चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान किया गया जप्त

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के थाना टिकरिया क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 20.09.2025 को ग्राम चीरी में अज्ञात चोरों द्वारा सूने घर में चोरी किए जाने की रिपोर्ट पर थाना टिकरिया में अज्ञात चोरों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3), 305(ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना के दौरान एसडीओपी निवास के निर्देशन में थाना प्रभारी टिकरिया निरीक्षक गोपाल घासले द्वारा थाने स्तर पर टीम का गठन

कर उक्त चोरी की वारदात में चोरी गए माल एवं अज्ञात चोरों की पतारसी हेतु लगाया गया। टीम द्वारा अलग अलग स्त्रोत से प्राप्त जानकारी व पुलिस के विश्वनीय सूत्रों से मिल रही जानकारियों के आधार पर संदेही अभय सिंगरौरे उर्फ साजन सिंगरौरे निवासी मैली से पूछताछ की गई। जिसने अपने साथी अंकित सिंगरौरे के साथ मिलकर उक्त चोरी की घटना स्वीकार करते हुए ताला तोडकर 2 जोड चांदी की पायल, 2 कट्टी मटर और एक मोबाईल फोन चोरी करना। आरोपी अभय सिंगरौरे उर्फ साजन सिंगौरोरे एवं आरोपी अंकित सिंगरौरे निवासी-मलारा से 2 जोडी चांदी की पायल एवं 2 कट्टी मटर जप्त किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अभय सिंगरौरे पिता दिनेश सिंगरौरे निवासी मैली के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी के 07 मामले पंजीबद्ध हैं।

मंडला पुलिस की कार्यवाही-नो एंट्री के उल्लंघन पर ट्रेक्टर चालकों पर हुई चालानी कार्यवाही, रेत की रॉयलटी की नही की जा रही है चेकिंग

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में दिनांक 09/10/2025 को थाना महाराजपुर पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाया गया। जहाँ पर कुछ ट्रैक्टरों को पकड़ा गया और उन ट्रेक्टर पर केवल नो एंट्री की कार्रवाई की गई, वही दूसरी इन ट्रक्टरों की ट्राली मे भरे रेत की रॉयल्टी चैक नही की जा रही इन ट्रक्टरों मे रेत कहाँ से आ रही थी कहाँ जा रही थी रॉयल्टी थी या नही आज भी जिले में रेत चोर सक्रिय है और खनिज विभाग इस ओर अनदेखी कर रहा है और पुलिस विभाग

भी इन रेत चोरों पर केवल नो-एंट्री की कार्यवाही कर अपनी खाना पूर्ति की जा रही इस कार्यवाही केवल नो एंट्री का उल्लंघन करने वाले 3 ट्रैक्टर ट्रॉली क्रमशः

1- MP5IAB0978 , 2- MP 51AA8254, 3 MP5I ZD 6034 के वाहन चालको के विरूद् धारा 115/194(2) मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल ?15,000/- रुपए का चालानी कार्यवाही की गई ट्रैक्टर चालकों को ट्रॉली का वाणिज्यिक पंजीयन कराने, सभी वैध दस्तावेज साथ रखने, निर्धारित समय पर ही शहर में वाहन संचालन करने तथा ट्रैक्टर में लेबर या अन्य व्यक्तियों को नहीं बैठाने संबंधी सख्त समझाइश दी गई। पूर्व में भी थाना महाराजपुर द्वारा 06 ट्रैक्टर चालको पर नो एंट्री उल्लंघन पर चालानी कार्यवाही कि गई थी। वही दूसरी ओर अगर इन ट्रेक्टर ट्राली में भरी रेत की रॉयल्टी नही है तो अन्य कार्यवाही क्योंकि नही की जा रही हैं।

सिंचाई व्यवस्था के बदले गुपचुप पम्प स्टोरेज परियोजना को बढ़ावा क्षेत्रीय किसानों के साथ वादाखिलाफी बर्दाश्त नहीं होगा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के बीजाडांडी और नारायणगंज के किसानों द्वारा विगत पांच वर्षों से बरगी बांध से सिंचाई के लिए पानी की मांग की जा रही है। विगत विधानसभा सभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की उपस्थिति में मीडिया के समक्ष चार लिफ्ट सिंचाई योजना मंजूर करने की घोषणा किया था।जिसका क्षेत्र के किसानों ने स्वागत भी किया था। क्षेत्र के किसान 2023 से लिफ्ट सिंचाई परियोजना शुरू होने की बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इधर पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वेबसाइट से जानकारी मिला है कि नदी घाटी परियोजना के लिए गठित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के समक्ष एजेंडा नंबर तीन पर बरगी ओपन पम्प स्टोरेज हाइड्रो पावर (1000 मेगावाट) को परियोजना प्रवर्तक सिरेन्टिका रिन्यूएबल्स इंडिया 21 प्रा. लि. द्वारा संदर्भ बिन्दु (टर्म ऑफ रेफ्रेंस) प्राप्त करने के लिए भेजा गया है।यह गांव पिंडरई माल (सहजपुरी) नारायणगंज और सलैया माल (बरंगाडा), जमठार, खापा, निवारी और पोंडी बीजाडांडी

जिला मंडला में बनना प्रस्तावित है। पर्यावरण ,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ मुल्यांकन समिति की बैठक आगामी 13 अक्टूबर को प्रस्तावित है। क्षेत्रीय ग्राम सभाओं को इसकी कोई जानकारी नहीं दिया गया है और ना ही उन्हें विश्वास में लिया गया है। इस परियोजना की जानकारी मिलने से लोग अचंभित हैं।लोग पूछ रहे हैं कि हमारे लिफ्ट सिंचाई से खेतों में पानी पहुंचाने का क्या हुआ?

पम्प स्टोरेज परियोजना किया है

पम्प स्टोरेज पावर प्लांट एक जलविद्युत प्रणाली होती है, जिसमें दो जलाशय बनाए जाते हैं। एक ऊपरी जलाशय दूसरा निचला जलाशय(जैसे बरगी जलाशय) है। दोनों को एक सुरंग या पाइप से जोड़ा जाता है। जब बिजली की मांग कम होती है पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय तक पम्प किया जाता है। ऊपरी जलाशय से जब पानी छोड़ा जाता है बिजली की मांग अत्यधिक होता है। पानी पाइपों से नीचे बहते हुए टर्बाइन को घुमाता है और टर्बाइन जनरेटर से जुड़ी होती है, जो बिजली उत्पन्न करती है। पम्प स्टोरेज प्लांट में रिवर्सिबल टर्बाइन-पम्प लगे होते हैं। यानी वही मशीन पम्प के रूप में ऊपर पानी चढ़ा सकती है और टर्बाइन के रूप में नीचे गिरते पानी से बिजली बना सकती है।यह चक्र बार-बार दोहराया जा सकता है। पिंडरई गांव के युवा झाम सिंह तेकाम ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को जब-तक सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल जाता है तब तक नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के किसी भी परियोजना को क्षेत्र में नहीं लगने दिया जाएगा। बीजाडांडी के जनपद सदस्य राजेन्द्र पुट्टा ने कहा कि लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए मंडला से भोपाल तक प्रशासनिक स्तर पर फालोअप कर रहे हैं। परन्तु आम लोगों का जरूरी काम पूंजीपतियों के सामने कोई महत्व नहीं रखता है। क्षेत्रीय लोगों द्वारा पम्प स्टोरेज परियोजना का जमकर विरोध किया जाएगा। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि बरगी बांध से तो जल विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। परन्तु बरगी जलाशय के ईर्द-गिर्द बिजली उत्पादन का जाल खडा करने का सिलसिला कंपनीयों ने जारी रखा है। जिसमें चुटका एवं किंदरई परमाणु परियोजना, झाबुआ पावर प्लांट, जलाशय में फ्लोटिंग सोलर पैनल और अब पम्प स्टोरेज बिजली परियोजना शामिल है।

जीएसटी टीम ने पकड़े 10 वाहन, जीएसटी की चोरी कर ले जा रहे चार वाहनों से वसुला 2 लाख 4 हजार रूपए टैक्स, शेष वाहनों की चल रही जांच

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।
बीते तीन दिनो में जबलपुर और बालाघाट जीएसटी टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए जीएसटी चोरी कर माल का परिवहन करने वाले 10 वाहनों को पकड़ा है। जिसमें चार वाहनों से जीएसटी की चोरी कर माल परिवहन करने पर 2 लाख 4 हजार रूपए जीएसटी जुर्माना वसुला।

बालाघाट जीएसटी विभाग के डी.एल. पटले ने बताया कि शेष वाहनों की जीएसटी दस्तावेजो की जांच चल रही है, प्रारंभिक जांच में जीएसटी की चोरी कर माल परिवहन किए जाने के मामले में, वाहनों को खड़ा किया गया है। जीएसटी टीम ने जिस 4 वाहनों से जीएसटी जुर्माना वसुला। उसमें

किरनापुर में खड़े किए गए तंबाकु से भरे वाहन से 1 लाख 50 हजार, गर्रा चौकी में खड़े किए सीमेंट के वाहन से 23 हजार रूपए, नवेगांव थाना में खड़े किए स्क्रैप वाहन से 21 हजार 600 और गर्रा चौकी के एक अन्य वाहन से 9600 रूपए जुर्माना वसुला है।

दरअसल, बिना जीएसटी शुल्क अदा किया ही सरकार को राजस्व की चपत लगाए जाने के मामले में, जीएसटी विभाग ने बीते दिनों सड़क पर उतरकर कार्यवाही की थी। जिसमें गर्रा हाइवे चौकी में 04, भरवेली में 02, कटंगी में 01, किरनापुर में 01 और नवेगांव में 02, ऐसे कुल 10 वाहनों को अभिरक्षा में लेकर उन वाहनों से परिवहन किए जा रहे माल की जीएसटी शुल्क के दस्तावेजो की जांच की थी। जिसमें से चार वाहनों पर पेनल्टी लगाकर 2 लाख 4 हजार रूपए जीएसटी शुल्क और जुर्माना वसुला गया है। जबकि अन्य 6 वाहनों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पिछले तीन दिनों से जारी इस कार्यवाही के दौरान जीएसटी विभाग असिस्टेंट कमिश्नर सरिता सिरसाम, स्टेट टैक्स ऑफिसर डी.एल. पटले, क्लर्क हरि कुंभरे सहित अमला, वाहनों में परिवहन किए जा रहे सामग्री के जीएसटी दस्तावेज की जांच कर रहा है। बताया जा रहा है कि जीएसटी का शुल्क अदा किए बिना ही बालाघाट से बाहर, तो वहीं बाहर से बालाघाट में माल का परिवहन ट्रक वाहनों किया जा रहा था। जिसपर वरिष्ठ अधिकारियों से मिले निर्देशन पर जीएसटी विभाग ने कार्रवाई की है जो अब भी जारी है। वहीं विभाग ने इस कार्यवाही को सतत जारी रखने की बात कही है।

फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण की तैयारी लिए आयोजित हुई बैठक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिकाओं की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गए है। इसी के परिपालन में 09 अक्टूबर को एसडीएम एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नगर परिषद बैहर श्री अर्पित गुप्ता की अध्यक्षता में प्राधिकृत कर्मचारी तथा निकाय क्षेत्र अंतर्गत समस्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निकाय के मास्टर ट्रेनर जेएल ठाकरे द्वारा फोटो युक्त मतदाता सूची के शिफ्टिंग विलोपन एवं संशोधन संबंधित प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। इस दौरान सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार अनुराग मरावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिलीप कुमार बाड़ेबुचे के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों में अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी संकेत राठौर, अध्यक्ष इंडियन नेशनल कांग्रेस साजन दास बोरकर, नगर परिषद बैहर से पार्षद श्रीमती सुरपति यादव, श्रीमती शिमला मरावी, गणेश खेरवार, विनोद पांडव, श्रीमती अनीता वरकडे, श्रीमती पूनम निरंजन शर्मा, अजीज खान, श्रीमती रंजना सोनवाने एवं निकाय कर्मचारी विजेंद्र रामटेक, गजेंद्र सिंह मेरावी उपस्थिति थे।

कफ सीरफ से मृत बच्चों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

कैंडल मार्च निकालकर किया शोक व्यक्त, कांग्रेस ने मांगा स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल का

शहर अध्यक्ष बोले सीरप कंपनी के मालिक पर हो अपराध दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कोल्ड्रीफ कफ-सीरप से छिंदवाड़ा में हुई करीब दो दर्जन से अधिक बच्चो की मौत ने बच्चो के स्वास्थ्य जांच पर सवाल खड़े कर दिए है। गुरूवार को देरशाम कांग्रेस ने जिला कांग्रेस कार्यालय से कैंडल मार्च निकाला और दुर्गा मंदिर के सामने गांधी प्रतिमा स्थल पर शोक श्रद्धांजंलि दी। कांग्रेस का आरोप है कि कफ सीरप के बनने के बाद, प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने विभागीय संसाधनो से इसकी जांच नहीं की। जिसके कारण रासायनिक कैमिकल मिले, कफ-सीरफ पीने से बच्चो की मौत हुई है।

शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने बताया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद, सरकार अभी भी सोई हुई है। सरकार ने उत्पाद तो बैन कर दिए है लेकिन श्रीसन कंपनी के मालिक पर कोई कार्यवाही नहीं की है, कांग्रेस मांग करती है कि मालिक पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें सजा दिलाए और इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल का इस्तीफा लिया जाए। उन्होंने बताया कि यदि सरकार, स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा नहीं लेती है तो आगामी समय में कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

इस दौरान कैंडल मार्च में मौजूद कांग्रेसी अंजू जायसवाल, शैलेंद्र पटेल,जावेद अली, अल्लाहरक्खा, शमीम सिद्दीकी, जीतू बर्वे, कपिल बर्वे, निखिल गौतम, शब्बीर पटेल, शानू राय, जुबेदा अंसारी, डॉ. वरकड़े, दुर्गा वरकडे, अंकित अग्रवाल, डॉ. अमर बिसेन, नितिन शिवहरे, अनिल सोनी, मयूर मोटवानी, शेख अंसार, शहबाज अहमद, साबिर मंसूरी, साजिद खान सहित अन्य कांग्रेसियों ने मृत बच्चों को कैंडल श्रद्धांजंलि देकर, उनके परिवार को बच्चो की मौत से हुए गहन दु:ख से लड़ने की मां दुर्गा से प्रार्थना की।

घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन में आदिवासी समस्या पर जोर

एडीएम बोले जिले की समस्याओं को विभागीय समन्वय से किया जाएगा हल, आदिवाासी बोले आंदोलन खत्म नहीं स्थगित किया

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। गुरूवार को जिले में आदिवासियों के सामूहिक और व्यक्तिगत पट्टे के दावो, वनग्रामों से आदिवासियों व्यवस्थापन का विरोध सहित आदिवासियों के लिए सरकार के नीतिगत निर्णयों के खिलाफ जिले के आदिवासी समाज संगठन के बैनर तले दो दिवसीय घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन एडीएम को ज्ञापन सौंपने के साथ ही खत्म हो गया।

आदिवासी संगठनो के ज्ञापन को लेते हुए एडीएम डी.एस. धुर्वे ने आदिवासियों को आश्वस्त किया कि जिले की मांगो पर विभागो के बीच समन्वयक स्थापित कर निराकरण करने का काम किया जाएगा, लेकिन जो शासन स्तर के नीतिगत निर्णय है, उन्हें शासन को भेजा जाएगा।

दूसरी ओर आदिवासी समाज संगठनो को साथ लेकर जनसंघर्ष मोर्चा के बैनर तले आंदोलन की अगुवाही कर रहे संयोजक विवेक पंवार ने बताया कि विकास के नाम पर देश और प्रदेश की सरकार, आदिवासी क्षेत्रो में निवासरत, आदिवासियों के संसाधन को छिनने के लिए मुहिम चलाकर काम कर रही है। बालाघाट सहित मंडला, डिंडोरी, सिवनी, छिंदवाड़ा में आदिवासियों के संसाधान को छिनने का प्रयास हो रहा है। आदिवासी संगठनो ने लेह में हिंसा के बाद गिरफ्तार किए सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बताया कि भाजपा सरकार ने दंगे के लिए उकसाने के झूठे मामला बनाकर उन्हें फंसाया है। जिसकी हम निंदा करते है और राष्ट्रपति से मांग करते है कि, वह इसमें हस्तक्षेप कर न्यायसंगत कार्यवाही करते हुए रास्ता तैयार करें। उन्होंने बताया कि अपने हक और अधिकार के लिए बालाघाट में किए गए घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन स्थगित हुआ है और यदि हमारी मांगो पर विचार नहीं किया जाता है तो भविष्य में आंदोलन बड़े स्वरूप में होगा।

हालांकि प्रशासन बता रहा है कि जिले में वन अधिकार पट्टो का वितरण, गूगल अर्थ और सैटेलाइट इमेजरी के उपयोग से सरल हो गया है और नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में कब्जे का सत्यापन कर पट्टो का वितरण किया जा रहा है। जिससे आदिवासी संगठन इत्तेफाक नहीं रखते है, उनका आरोप है कि जिले में बड़ी संख्या में सामूहिक और व्यक्तिगत पट्टो के दावों को रद्ध किया गया है।

बालाघाट में फिल्म स्टार चंकी पांडे ने दी स्टेज परफारमेंस

वारासिवनी में चंकी पांडे को देखने पहुंचे हजारो लोग चंकी पांडे बोले मुझे बाथरूम में मिली थी पहली फिल्म

बेटी अनन्या को हिन्दी फिल्मो का रहा शौक

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के वारासिवनी में नवदुर्गा उत्सव समिति के स्टेज पर आर्केस्ट्रा कलाकारों के साथ परफारमेंस देने, हिन्दी फिल्म की मशहुर कलाकार चंकी पांडे, बालाघाट पहुंचे थे। यहां उन्होंने, वार-2 फिल्म के गीतकार साज भट्ट और इंडियन आइडल कलाकार दीक्षा टुर के साथ अपनी फिल्मो के गानो पर स्टेज परफारमेंस दी। वारासिवनी में फिल्मी कलाकार चंकी पांडे के लाईव परफारमेंस को देखने ब?ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

खासकर विश्वात्मा फिल्म के सात समुंदर पार..,फिल्म आंखे का लाल दुपट्टे वाली तेरा नाम तो बता.., तुतक-तुतक-तुतक, तुतिया... मैं तेरा तोता-तु मेरी मैना.. जैसी अन्य गीतो पर लाईव परफारमेंस दिया। दरअसल, प्रतिवर्ष नवदुर्गा उत्सव समिति, नवरात्र के बाद इनामी कूपन का ड्रा आयोजित करती है, जिसमें फिल्मी कलाकारो को बुलाया जाता है, इस बार फिल्म कलाकार चंकी पांडे आए थे। कार्यक्रम से पूर्व, पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने अपनी फिल्म कैरियर, बेटी अनन्या पांडे, नई फिल्म को लेकर, मीडिया प्रतिनिधियों से खुलकर बात की। इस दौरान आयोजक संजयसिंह सहित गायक कलाकार मौजूद थे।

फिल्म कलाकार चंकी पांडे ने बताया कि उन्हें बचपन से फिल्मों का बहुत शौक था। वह डॉक्टर बनना चाहते थे लेकिन एक्टर बन गए। तीन साल में उन्हें पहली फिल्म मिली थी, वह भी बाथरूम में। उन्होंने बताया कि विश्वात्मा उनके सबसे पसंदीदा फिल्म है। 1987 में फिल्म कैरियर में आने के बाद से वह लगातार फिल्म कर रहे है, हाल में हाउसफुल-5 और सन ऑफ सरदार-2 में अभिनय किया है। उन्होंने बताया कि बेटी अनन्या का फिल्म लाईन में आना, उसका अपना फैसला है, वह बचपन से ही हिन्दी फिल्मों की शौकीन रही है। कलाकार चंकी पांडे ने बालाघाट की सराहना करते हुए बताया कि आने के बाद से यह जिला उन्हें शांत और भाईचारे की तरह दिखा।

प्रतिबंधित सीरप के नए बैच की 167 बॉटल सील

ड्रग विभाग ने की कार्यवाही, दवाओं के लिए 6 सैंपल, जांच रिपोर्ट आने तक विक्रय पर प्रतिबंध

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रीफ कफ सीरप के उपयोग से बच्चों की मौत होने के बाद जागी सरकार और ड्रग विभाग ने जांच के बाद कोल्ड्रीफ कफ सीरप तथा नेस्ट्रो-डीएस सस्पेंशन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, वहीं एक अन्य मामले में गुजरात की ड्रग कंपनी के दो प्रोडक्ट

रेसिपी फ्रेश टीआर बैच नंबर आर011 जीएल 2523 और रिलाइफ सिरप बैच नंबर एलएसएल 25160, भी जांच में अमानक पाए गए थे। जिसके बाद ड्रग विभाग ने इस पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। जिस प्रतिबंधित दवा की, जिले में ड्रग विभाग ने, जांच की। लेकिन, जिले में उस बैच नंबर की दवा नहीं है। बावजूद ऐतिहातन नई बैच के जिले में बिक रही रेसिपी फ्रेश टीआर और रिलाइफ सिरप के क्रय, विक्रय और संग्रहण पर, ड्रग विभाग ने रोक लगा दी है।

ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश ने, जिले के होलसेल दुकान संचालको को रिटेल विक्रेताओं को बेची गई दवाइयां को वापस बुलाते हुए डिस्ट्रीब्यूटर और निर्माता को भेजने के लिए निर्देशित किया है। वहीं रेसिपी फ्रेश टीआर सीरप के 100 एमएल की 158 तथा रि-लाइफ सिरप की 9 बॉटल को फ्रीज कर, जांच रिपोर्ट आने तक, उनके विक्रय को प्रतिबंधित कर दिया है। यही नहीं बल्कि 06 नमूनों को विधिवत सील कर शासकीय औषधी परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है।

बिना एएस और टीएस के सरपंच सचिव करा रहे काम, ग्रामीणों ने लगाया आरोप, कलेक्टर और जिला पंचायत में शिकायत...

ग्रामीणों ने कहा सरपंच कहता है जो करना है कर लो, 5 लाख से ज्यादा राशि के गबन की शिकायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के भंडारपुर पंचायत सरपंच जयचंद पंद्रे और सचिव अमृतलाल तुरकर, गांव में फर्जी तरीके से 5 वां वित्त आयोग की राशि को खर्च कर दुरूपयोग करने की शिकायत, गुरूवार को गांव से पहुंचे एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने की। उन्होंने शिकायत पर जांच की मांग कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से की है। ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव के खिलाफ बिल नंबर के साथ की गई शिकायत में 5 लाख से ज्यादा की राशि गबन करने का आरोप लगाया है।

ग्रामीण जयचंद मेश्राम का आरोप है कि गांव में सरपंच और सचिव मनमानी कर रहे है, जिसकी जांच के लिए कार्यालय में आवेदन देने आए है, सरपंच ग्रामीणों के पूछने पर कहता है कि जो बनता है कर लो। हम गांव का विकास चाहते है।

ग्रामीण अकलसिंह मरकाम ने बताया कि नए सचिव के आने के बाद से पंचायत में बिना नियमों के काम हो रहे है, बिना एएस और टीएस के काम कराया जा रहा है। ग्रामीणों के कार्यो को लेकर पूछने पर सरपंच कहता है कि तुम पूछने वाले कौन होते हो, हम जनता से मतलब नहीं रखते। जो करना है कर लो। उन्होंने बताया कि शिकायत पर जांच नहीं की गई तो हम पंचायत में तालाबंदी आंदोलन करेगे।

सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत वॉलीबॉल, कुश्ती, बैडमिंटन का हुआ ट्रायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत 09 अक्टूबर को जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता वॉलीबॉल, कुश्ती एवं बैडमिंटन के लिए ट्रॉयल चयन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में बालाघाट, लालबर्रा एवं भरवेली के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा को खेल के मैदान उकेरा जिससे की वे आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हो सके। इस ट्रायल में वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 120 खिलाड़ी शामिल हुए। वहीं कुश्ती में 60, बैडमिंटन में 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस तरह कुल 230 खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए ट्रायल में भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा को उजागर किया।

संपादकीय

बंगाल में कैसा लोकतंत्र ?

यह कैसा लोकतंत्र है? नहीं, यह लोकतंत्र नहीं हो सकता। यह कैसी कानून-व्यवस्था है? निर्वाचित सरकार के हाथ-पांव खून में सने हैं! केंद्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा है? क्या उसने पश्चिम बंगाल की ओर आंखें मूंद रखी हैं? क्या सरकार से रपट तलब करना ही पर्याप्त है? क्या पुलिस कमिश्नर का तबादला कर उसे दंडित नहीं किया जा सकता? प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और उनकी सरकार 2014 से ही देख रही है कि बंगाल की फाइल लहूलुहान हो रही है, पंचायत चुनाव हों अथवा विधानसभा, लोकसभा चुनाव हों या सामान्य दिन हों, बंगाल में एक तबका लगातार हत्याएं कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय और अन्य सरकारी एजेंसियों के अफसरों पर हमले किए जाते रहे हैं। हिंदूवादी समर्थकों की हत्याओं के साथ-साथ उनके घर जलाए जा रहे हैं। पीट-पीट कर घायल किया जा रहा है अथवा मार ही देता है। ऐसी सैकड़ों हत्याएं की जा चुकी हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बार-बार राज्य सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात करने पड़े हैं। अदालत ने सरकार के खिलाफ फैसले भी सुनाए हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सिर्फ बयानबाज बनकर रह गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि उससे ममता और उनकी पार्टी-तृणमूल कांग्रेस-को राजनीतिक लाभ हो सकता था। तो क्या फिर गरीब, कमजोर, पिछड़े, दुर्भाग्य से हिंदू समर्थक मरते रहें? अब तो हिंदू-विरोधियों ने सांसद और विधायक तक को नहीं छोड़ा है। करीब 14-15 लाख लोगों का संसदीय प्रतिनिधि, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू बाल-बाल बच गए हैं। वह अस्पताल के बिस्तर पर पड़े हैं। बीमार नहीं हैं। मधुमेह सामान्य विकृति हो गई है। गुंडे-मवालियों ने पत्थरों से सांसद और विधायक पर जानलेवा हमला किया था। उत्तरी बंगाल में भीषण बाढ़ और भयानक भू-स्खलन ने विनाशकारी माहौल बना दिया था। 30-35 मौतें भी हुई हैं। घर ह्यमिट्टी-मलबाह्ण हो गए, रास्ते टूट गए। यदि एक जन-प्रतिनिधि उस माहौल का जायजा लेने और राहत-सामग्री बांटने उस विनाश-भूमि तक जाना चाहता था, तो उस पर जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया जाएगा? बेशक लोग सांसद से नाराज हों, तो उन पर इतना घातक हमला कर दिया जाएगा कि उनके चेहरे की हड्डी ही टूट जाए? सांसद खून से लथपथ हो जाएं? गनीमत है कि उनके साथ कुछ सुरक्षाकर्मी थे, जिन्होंने उनकी जान बचाई और तुरंत अस्पताल तक ले गए। भाजपा विधायक शंकर घोष पर भी हमला कर उन्हें घायल क्यों किया गया? अफसोस है कि मंगलवार शाम तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, क्योंकि पुलिस को ह्यऊपरह्ण से ऐसे ही आदेश थे। पुलिस मूकदर्शक और निष्क्रिय बनी रही। जब भाजपा और राज्यपाल आनंद बोस का दबाव बढ़ा, तो 8 आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। गौरतलब यह होगा कि पुलिस कितनी ठोस कार्रवाई करती है! शायद राज्य भाजपा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगी! लेकिन बंगाल में जो रक्तरंजित फाइल सामने आई है, उससे लगता है कि बंगाल में संभ्रांत नहीं, गुंडे-हत्यारों का राज है। वे तृणमूल के नेता, कार्यकर्ता हो सकते हैं अथवा घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या हो सकते हैं! भाजपा सांसदों और आम सक्रिय कार्यकताओं ने एनआईए जांच की मांग की है। राष्ट्रपति शासन की भी मांगें उभरी हैं। बंगाल में अप्रैल-मई, 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। संभव है कि सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के हिंदूवादी ध्रुवीकरण के मुकाबले में ऐसे हमलों पर उतर आई हो! बेशक भाजपा ने बंगाल में हिंदू समर्थकों की ताकत के बूते एक अच्छा-खासा जनाधार तैयार कर लिया है। उसके 12 लोकसभा सांसद चुने गए हैं। जो पार्टी मात्र 3 विधायकों के साथ एक क्षीण-सी शक्ति होती थी, आज उसके विधायक दल का नेता प्रतिपक्ष का नेता है। यानी सत्ता की चौखट पर दमदार दस्तकें दी जा रही हैं। लेकिन बंगाल में ममता के 14 साला कार्यकाल के दौरान ऐसा हिंसक माहौल बन गया है, जो खुद ममता ने वाममोर्चा की सरकार के दौरान झेला था। यकीनन यह शर्मनाक, निंदनीय और खतरनाक दौर है। लिहाजा हमने शुरूआत में ही लोकतंत्र और व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। बंगाल का खूबसूरत इतिहास रहा है। उसे यूं विनष्ट नहीं किया जा सकता।

भारत-अमरीकी संबंधों का परीक्षा काल

अमरीका को यह समझना होगा कि भारत केवल व्यापारिक साझेदार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी सहयोगी भी है। वहीं भारत को संतुलित नीति अपनानी होगी ताकि घरेलू उद्योगों की रक्षा के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति भी मजबूत बनी रहे। भारत और अमेरिका के रिश्ते दुनिया के सबसे जटिल लेकिन सबसे प्रभावशाली संबंधों में गिने जाते हैं। यह रिश्ता केवल राजनीति या रक्षा समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे मजबूत आधार व्यापार, तकनीक और अर्थव्यवस्था है। आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारत ने 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45.33 बिलियन डॉलर का आयात किया। यह आंकड़ा दोनों अर्थव्यवस्थाओं की गहराती परस्पर निर्भरता का प्रतीक है। लेकिन इस सहयोगी रिश्ते में समय-समय पर टैरिफ और वीजा जैसे विवाद उभरते रहते हैं। अमेरिका का आरोप है कि भारत विदेशी उत्पादों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाकर अमेरिकी कंपनियों के लिए बाधाएं पैदा करता है, जबकि भारत का कहना है कि यह कदम उसके घरेलू उद्योगों और आर्थिक स्वावलंबन की रक्षा के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो भारत को ह्यटैरिफ किंगह्ण तक कह दिया और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क बढ़ा दिया। इस कदम ने दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा दिया और भारतीय उद्योग जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। टैरिफ का असर किसी भी देश के उत्पादन और निर्यात पर सीधा पड़ता है। उत्पादन लागत बढ़ती है, मुनाफा घटता है और बाजार में प्रतिस्पर्धा कम होती है। जब अमेरिका ने भारत के वस्त्र और फार्मा उत्पादों पर शुल्क बढ़ाया, तो इसका असर तुरंत शेयर बाजार पर देखने को मिला, सिर्फ दो दिनों में सेंसेक्स 1555 अंक लुढका और निवेशकों को करीब 9.85 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगस्त 2025 में लागू अमेरिकी टैरिफ से भारत का वस्त्र निर्यात 20 से 25 प्रतिशत तक घट सकता है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि भारत केवल निर्यातक नहीं, बल्कि अमेरिकी कंपनियों के लिए विशाल उपभोक्ता बाजार भी है। अमेजन, एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, पेप्सिको, नाइक और मॅकडॉनल्ड्स जैसी कंपनियां आज भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। इसलिए यदि अमेरिका भारत पर दबाव बनाता है, तो भारत भी इन कंपनियों पर नीतिगत सख्ती के जरिए संतुलन साध सकता है। यही कारण है कि यह टकराव एकतरफा नहीं, बल्कि द्विपक्षीय आर्थिक प्रभाव का मामला है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुकी है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के लिए नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। परंतु आर्थिक मोर्चे के साथ अब एक और बड़ा विवाद उभर आया है, एच-1बी वीजा संकट, 19 सितंबर 2025 को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए एच-1बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि कर दी है। अब कंपनियों को किसी नए आवेदन या नवीनीकरण के लिए 100000 डॉलर यानी लगभग 88 लाख रुपए अतिरिक्त देने होंगे। पहले से ही महंगे इस वीजा की लागत इतनी बढ़ गई है कि अधिकांश आईटी कंपनियों के लिए इसको वहन करना लगभग असंभव हो जाएगा। दरअसल, हर संकट अपने साथ अवसर भी लेकर आता है।

टैरिफ विवाद यह सिखाता है कि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता जोखिम भरी हो सकती है। वहीं वीजा विवाद यह संदेश देता है कि भारत को अपने ही देश में वैश्विक स्तर के अवसर और रोजगार पैदा करने होंगे। आत्मनिर्भर भारत का विचार अब केवल नारा नहीं, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता बन चुका है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोगों को गर्व से कहना चाहिए कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं। हमें मेड इन इंडिया सामान खरीदना चाहिए। इससे छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा। हमें आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना ही होगा। जिन चीजों का निर्माण भारत में किया जा सकता है, उसे यहीं करें। भारत और अमेरिका दोनों के लिए यह रिश्ते तोड? का समय नहीं है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत केवल व्यापारिक साझेदार ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और तकनीकी सहयोगी भी है। वहीं भारत को संतुलित नीति अपनानी होगी ताकि घरेलू उद्योगों की रक्षा के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी स्थिति भी मजबूत बनी रहे। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने हाल ही में उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक नया व्यापार समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक ऐसे द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे दोनों को लाभ मिले। उनका मानना है कि भारत को अपने बाजारों को और खोलना चाहिए तथा टैरिफ व अन्य गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना चाहिए ताकि उसका मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और प्रतिस्पर्धी बन सके। सुब्रह्मण्यम ने यह भी चेताया कि यदि दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हुआ, तो आने वाले महीनों में स्थिति कठिन हो सकती है।

उनका कहना है, ह्यहम नुकसान में हैं, 50 प्रतिशत टैरिफ से कीमतें बहुत बढ़ जाती हैं, इससे कोई नहीं बच सकता।ह्ण फिर भी उन्होंने आशा जताई कि नवंबर तक यदि समझौता हो गया, तो किसी बड़ी अव्यवस्था से बचा जा सकेगा। वहीं, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-कतर के बीच 2026 की तीसरी तिमाही तक एक व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिससे भारत के कुल व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इन समझौतों से भारत को नए बाजारों तक पहुंच और अमेरिका पर निर्भरता घटाने में मदद मिलेगी। अंततः भारत.अमेरिका संबंधों की असली बुनियाद संवाद, सहयोग और साझा हितों पर टिकी है। टैरिफ और एच-1बी विवाद हमें हमारी कमजोरियों का एहसास कराते हैं, लेकिन साथ ही आत्मनिर्भरता और विविधीकरण की राह भी दिखाते हैं। यदि दोनों देश संवाद की डोर थामे रखते हैं, तो यह साझेदारी न केवल उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्थिरता और विकास में भी नई ऊर्जा का संचार करेगी। अमरीका से संबंध मजबूत बनाने होंगे।

मरने के बाद भी नहीं चैन—यह मिलावट का नहीं, व्यवस्था का पाप है

मृत्यु – जीवन का अंतिम सत्य है। लेकिन जब इंसान मरने के बाद भी चैन से नहीं जल सके, तो यह समाज के पतन की पराकाष्ठा है। जबलपुर से सामने आई यह खबर न केवल चौंकाती है, बल्कि हमारी प्रशासनिक सुस्ती और सामाजिक संवेदनहीनता पर करारा तमाचा है।

एक दुकान पर जब शोकाकुल परिवार को असली राल की जगह मिट्टी और नकली वस्तु बेच दी जाती है, और वह भी अंतिम संस्कार जैसे पवित्र कर्म में, तो सवाल केवल मिलावट का नहीं – यह सवाल मानवता की आत्मा के मर जाने का है।

कहते हैं, मिलावटखोरी पेट से जुड़ा अपराध है, लेकिन अब यह आत्मा तक पहुंच चुकी है। वह भी ऐसे शहर में, जहां बार-बार छापे, जागरूकता अभियान और दावे होते हैं कि मिलावट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू है। मगर हकीकत यह है कि मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं, और शासन-प्रशासन बस प्रेस नोटों और दिखावटी कार्रवाइयों तक सीमित रहबात गया है।

जब किसी की चिता पर भी नकली राल जल रही हो, तो समझ लीजिए – मिलावट ने केवल खाने की चीजें नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की नस-नस में जहर घोल दिया है। सरकार और प्रशासन दोनों इस अपराध में बराबर के भागीदार हैं। हर बार जांच की बात होती है, कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन मिलावट का कारोबार पहले से ज्यादा संगठित और सुरक्षित होता जा रहा है।

क्यों? क्योंकि यह सिर्फ कुछ दुकानदारों की हरकत नहीं – यह भ्रष्ट तंत्र की मिलीभगत का परिणाम है।

जो शासन नागरिकों की थाली तक की शुद्धता की रक्षा नहीं कर पा रहा, अब वह श्मशान की पवित्रता भी नहीं बचा पा रहा। यह केवल विफलता नहीं, यह प्रशासन की नैतिक पराजय है। आज जरूरत है कि ऐसे अपराधों को केवल खाद्य विभाग की फाइलों में नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में देखा जाए। दोषियों पर सख्त कार्रवाई, लाइसेंस निरस्तीकरण और आपराधिक प्रकरण दर्ज होना चाहिए।

क्योंकि अगर हम अब भी नहीं चेते – तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।

हम केवल जहर खा रहे होंगे नहीं, बल्कि अपनी आत्मा को भी धीरे-धीरे मार रहे होंगे।

राशिफल

मेष राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहेगी, किसी तनाव या विवादग्रस्त होने से बचें, कार्य में सावधानी अवश्य रखें।

वृष राशि :- स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य संतोषप्रद रहेगा, स्त्री वर्ग से हानि होगी, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा व प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

कर्क राशि :- कार्य कुशलता से संतोष एवं नवीन कार्य योजना फलप्रद होगी, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे ध्यान अवश्य दें।

सिंह राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व में वृद्धि होगी, अधिकारियों की अपेक्षा से कार्य हानि होगी, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

कन्या राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, तत्परता से रुके कार्य निपटा लें, कार्य बनने से चिन्तामुक्त होंगे।

तुला राशि :- तनाव व अशांति से कष्ट होगा, दुर्घटनाग्रस्त होने से बचें, रुके कार्य समय पर करने का प्रयास अवश्य करें।

वृश्चिक राशि :- स्त्री शरीर सुख, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, आपके कार्यों का विरोध होगा, कार्य अवरोध से हानि होगी।

धनु राशि :- स्वाभाव में उद्विघ्नता व क्लेश से मन अशांत रहेगा, तनाव से बचें, कार्य अवरोध होगा, धैर्य अवश्य रखें।

मकर राशि :- सफलता के साधन जुटायेंगे, मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, समय का ध्यान अवश्य रखें, कार्य पर ध्यान दें।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य स्थगित रखें, सामाजिक विभ्रम व उद्विघ्नता से बचें, समय परिस्थिति को समझकर आगे बढ़ें।

मीन राशि :- किसी तनाव व क्लेश से बचें, मानसिक उद्विघ्नता का वातावरण बनेगा, परेशानी का अनुभव होगा।

करवा चौथ आज

करवा चौथ का पर्व भारत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में मुख्य रूप से मनाया जाता है। करवा चौथ का व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। करवा चौथ स्त्रियों का सर्वाधिक प्रिय व्रत है। यों तो प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी और चंद्रमा का व्रत किया जाता है, परंतु इनमें करवा चौथ का सर्वाधिक महत्त्व है। इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियां अटल सुहाग, पति की दीर्घ आयु, स्वास्थ्य एवं मंगलकामना के लिए यह व्रत करती हैं। वामन पुराण में करवा चौथ व्रत का वर्णन आता है।

करवा चौथ में प्रयुक्त होने वाली संपूर्ण सामग्री को एकत्रित करें। व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें-मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये। पूरे दिन निर्जल रहें। दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे ह्यवरह्ण कहते हैं। चित्रित करने की कला को ह्यकरवा धरनाह्ण कहा जाता है। आठ पूरियों की अठावरी, हलुआ और पक्के पकवान बनाएं। पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं। गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें। जल से भरा हुआ लोटा रखें। बायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें। रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं। गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें। नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम्। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥ करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें। कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासू जी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें। तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें। रात्रि में चंद्रमा निकलने के बाद छननी की ओट से उसे देखें और चंद्रमा को अर्घ्य दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें। जिस वर्ष लडकी की शादी होती है, उस वर्ष उसके पीहर से चौदह चीनी के करवों, बर्तनों, कपड़ों और गेहूं आदि के साथ बायना भी आता है। सास भी अपनी बहू को सरगी भेजती है। सरगी में मिठाई, फल, सेवइयां आदि होती हैं। इसका सेवन महिलाएं करवाचौथ के दिन सूर्य निकलने से पहले करती हैं।

करवा चौथ व्रत को रखने वाली स्त्रियों को प्रातःकाल स्नान आदि के बाद आचमन करके पति, पुत्र-पौत्र तथा सुख-सौभाग्य की इच्छा का संकल्प लेकर इस व्रत को करना चाहिए। करवा चौथ के व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश तथा चंद्रमा का पूजन करने का विधान है। स्त्रियां चंद्रोदय के बाद चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देकर ही जल-भोजन ग्रहण करती हैं। पूजा के बाद तांबे या मिट्टी के करवे में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री जैसे-कंघी, शीशा, सिंदूर, चूडि?ां, रिबन व रुपया रखकर दान करना चाहिए तथा सास के पांव छूकर फल, मेवा व सुहाग की सारी सामग्री उन्हें देनी चाहिए।

अशुभ का परिहार्य

पुराने दिनों में करवा-चौथ के दिन कोई अनर्थ होता तो इस व्रत-पर्व को अगले किसी उपयुक्त अवसर तक स्थगित कर दिया जाता था। वह उपयुक्त अवसर करवा-चौथ के दिन कोई शुभ घटना होने के रूप में ही होता। विधान फिर से शुरू करने के लिए पहले घट चुके अशुभ का परिहार्य होने तक इंतजार किया जाता।

करवा चौथ कथा

एक बार अर्जुन नीलगिरि पर तपस्या करने गए। द्रौपदी ने सोचा कि यहां हर समय अनेक प्रकार की विघ्न-बाधाएं आती रहती हैं। उनके शमन के लिए अर्जुन तो यहां हैं नहीं, अतः कोई उपाय करना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने भगवान श्री कृष्ण का ध्यान किया। भगवान वहां उपस्थित हुए तो द्रौपदी ने अपने कष्टों के निवारण हेतु कोई उपाय बताने को कहा।

इस पर श्रीकृष्ण बोले- ह्यएक बार पार्वती जी ने भी शिव जी से यही प्रश्न किया था तो उन्होंने कहा था कि करवा चौथ का व्रत गृहस्थी में आने वाली छोटी-मोटी विघ्न-बाधाओं को दूर करने वाला है। यह पित्त प्रकोप को भी दूर करता है।ह्ण फिर श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को एक कथा सुनाई-ह्यप्राचीनकाल में एक धर्मपरायण ब्राह्मण के सात पुत्र तथा एक पुत्री थी। बड़ी होने पर पुत्री का विवाह कर दिया गया। कार्तिक की चतुर्थी को कन्या ने करवा चौथ का व्रत रखा। सात भाइयों की लाड़ली बहन को चंद्रोदय से पहले ही भूख सताने लगी। उसका फूल सा चेहरा मुरझा गया। भाइयों के लिए बहन की यह वेदना असहनीय थी।

अतः वे कुछ उपाय सोचने लगे। उन्होंने बहन से चंद्रोदय से पहले ही भोजन करने को कहा, पर बहन न मानी। तब भाइयों ने स्नेहवश पीपल के वृक्ष की आड़ में प्रकाश करके कहा-ह्यदेखो! चंद्रोदय हो गया। उठो, अर्घ्य देकर भोजन करो।ह्ण बहन उठी और चंद्रमा को अर्घ्य देकर भोजन कर लिया। भोजन करते ही उसका पति मर गया। वह रोने-चिल्लाने लगी। दैवयोग से इंद्राणी (शची) देवदासियों के साथ वहां से जा रही थीं। रोने की आवाज सुन वे वहां गईं और उससे रोने का कारण पूछा। ब्राह्मण कन्या ने सब हाल कह सुनाया। तब इंद्राणी ने कहा- ह्यतुमने करवा चौथ के व्रत में चंद्रोदय से पूर्व ही अन्न-जल ग्रहण कर लिया, इसी से तुम्हारे पति की मृत्यु हुई है। अब यदि तुम मृत पति की सेवा करती हुई बारह महीनों तक प्रत्येक चौथ को यथाविधि व्रत करो, फिर करवा चौथ को विधिवत गौरी, शिव, गणेश, कार्तिकेय सहित चंद्रमा का पूजन करो तथा चंद्रोदय के बाद अर्घ्य देकर अन्न-जल ग्रहण करो तो तुम्हारे पति अवश्य जीवित हो उठेंगे।ह्ण ब्राह्मण कन्या ने अगले वर्ष 12 माह की चौथ सहित विधिपूर्वक करवा चौथ का व्रत किया। व्रत के प्रभाव से उनका मृत पति जीवित हो गया।

इस प्रकार यह कथा कहकर श्रीकृष्ण द्रौपदी से बोले- ह्ययदि तुम भी श्रद्धा एवं विधिपूर्वक इस व्रत को करो तो तुम्हारे सारे दुःख दूर हो जाएंगे और सुख-सौभाग्य, धन-धान्य में वृद्धि होगी।ह्ण फिर द्रौपदी ने श्रीकृष्ण के कथनानुसार करवा चौथ का व्रत रखा। उस व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में कौरवों की हार तथा पांडवों की जीत हुई।

राजस्थान में है भारत का एकमात्र करवा माता मंदिर

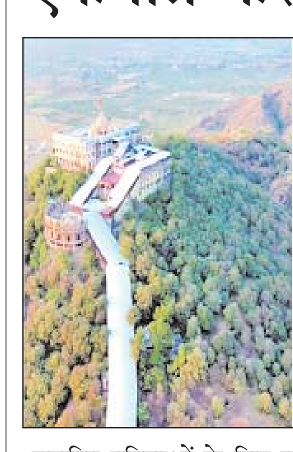

सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती है। पति की लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए करवा चौथ का व्रत रखा जाता है, इससे वैवाहिक जीवन में सुख प्रदान होता है। इस दिन करवा माता की पूजा की जाती है। आज हम आपको इस लेख में भारत का एकमात्र करवा चौथ माता मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। क्या मंदिर की खासियत आपको बताते हैं।

कहां पर स्थित है करवा माता मंदिर : राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के बरवाड़ा गांव में करवा माता का मंदिर स्थित है। इस मंदिर की मान्यता काफी दूर-दूर से प्रचलित है। करवा माता मंदिर अरावली पर्वत पर करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर बना हुआ है। इस मंदिर के आसपास की सुंदरता देखकर आपक मन भी मोह लेगी। अस्था केंद्र के साथ ही यह एक पर्यटक स्थल भी है।

करवा माता मंदिर की खास बातें : इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको 700 सीढ़िया चढ़नी पड़ती हैं। करवा माता मंदिर में माता करवा की मूर्ति के साथ ही भगवान गणेश और भैरव की मूर्तियां विराजित है। इतना ही नहीं, इस मंदिर में करवा चौथ, भाद्रपद चौथ, माघ चौथ और लक्खी मेला भी लगता है,जिसका नजारा देखने में बड़ा आनंद आता है। मेला में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसके अलावा, नवरात्र के दौरान यहां विशेष आयोजन होते हैं। इन अवसरों पर मंदिर की सुंदरता और भव्यता देखने को मिलती है।

मंदिर का इतिहास : इस मंदिर का निर्माण सन 1451 में महाराजा भीम सिंह चौहान ने करवाया था, जो कि माता के परम भक्त थे। वहीं, 1452 में मंदिर का कायाकल्प किया गया था। मंदिर के मार्ग पर बिजल की छतरी और तालाब का निर्माण सन 1463 में कराया था। इस मंदिर में राजपूताने शैली की अनोखी झलक देखने को मिलती है। करवा माता का मंदिर सफेद संगमरमर से बना हुआ है।

क्या मान्यता है : माना जाता है कि करवा माता मंदिर में देवी मां से सच्चे मन से मांगी गई हर एक इच्छा पूरी होती है। इसके साथ ही यहां दर्शन और पूजा करने से महिलाएं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। करवा चौथ वाले दिन इस मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है।

पन्ना जिले में आवारा पशुओं का आतंक सड़कें बनी खतरे का मैदान!

सुबह, शाम और रात—हर वक्त राहगीर और वाहन चालक खतरे में, प्रशासन मौन

संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी रेवांचल टाइम्स, पन्ना। पूरा पन्ना जिला इस समय आवारा पशुओं की समस्या से जूझ रहा है। नगरों से लेकर ग्राम क्षेत्रों तक, मुख्य मार्गों, राजमार्गों और गलियों में दिन-रात झुंड के झुंड आवारा पशु बैठे रहते हैं। इनकी वजह से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शासन की लापरवाही से जान पर बन आई

स्थिति यह हो गई है कि सुबह-शाम के समय, जब लोग काम पर या बाजार की ओर निकलते हैं, सड़क पर खड़े या बैठे पशु कभी भी सामने आकर हादसे का कारण बन जाते हैं। रात के समय तो यह खतरा और भी बढ़ जाता है – अंधेरे में दिखाई न देने पर दुर्घटनाएं लगातार घट रही हैं।

चरनोई और बन भूमि पर कब्जे, सड़कें बनीं पशुओं का ठिकाना

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शासकीय चरनोई भूमि पर पावरफुल लोगों का कब्जा हो चुका है, वहीं बन भूमि पर लार-बाड़ी बना दी गई है। ऐसे में पशुओं के लिए चराई या ठहरने की जगह नहीं बची, और वे सड़कों पर ही डेरा जमाने को मजबूर हैं।

किसानों ने भी छोड़े पशु – तारबंदी ने बढ़ाई समस्या

आधुनिक खेती के चलते किसान अब अपनी जमीनों में तारबंदी (फेंसिंग) कर रहे हैं। खेतों में अब पशुओं के प्रवेश पर रोक है, इसलिए किसान पशु पालना बंद कर रहे हैं और कई लोग अपने पशुओं को खुला छोड़ रहे हैं। इन छोड़े गए पशुओं का अब संपूर्ण जिले की सड़कों पर आतंक फैला हुआ है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार नगर परिषद और राजस्व विभाग को शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सवाल यह है कि प्रशासन कब जागेगा? जब कोई बड़ी दुर्घटना जानलेवा बन जाए, तभी क्या कार्रवाई होगी?

रेवांचल टाइम्स

सड़क हादसों और जानमाल की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

पवई नगर में आवारा पशुओं का आतंक

संवाददाता उमाकांत त्रिपाठी पवई जिला पन्ना। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में आवारा पशुओं का आतंक दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि सड़कों पर चलते वाहन चालकों और राहगीरों की जान पर हमेशा खतरा बना रहता है। आए दिन सड़क हादसे सामने आते हैं, लेकिन प्रशासन और शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

आए दिन होते हैं हादसे

स्थानीय लोगों के मुताबिक, पवई और उसके आसपास के क्षेत्रों में प्रतिदिन छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं। कई बार बड़े सड़क हादसे भी हो चुके हैं, जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बावजूद इसके, प्रशासन की ओर से आवारा पशुओं की समस्या को नियंत्रित करने की दिशा में कोई ठोस कार्ययोजना लागू नहीं की गई है।

महिलाओं और राहगीरों के लिए बढ़ा खतरा- पशुओं के झुंड नगर की मुख्य सड़कों पर घंटों खड़े रहते हैं। खासकर सलेहा तिराहा और पूरे पवई नगर की मुख्य सड़कें पशुओं का अड्डा बन चुकी हैं। इस कारण से महिलाओं और स्कूली बच्चों के लिए घर से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। राहगीर हर समय इस डर में रहते हैं कि कहीं अचानक कोई दुर्घटना न हो जाए।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

स्थानीय नागरिकों ने कई बार नगर परिषद और संबंधित विभागों से शिकायत की, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब आवारा पशुओं से आए दिन हादसे हो रहे हैं और नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तब शासन-प्रशासन आखिर कब जागेगा?

नागरिकों की मांग

क्षेत्र के लोग अब आवारा पशुओं की समस्या पर तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि नगर में नियमित रूप से पशुओं को पकड़ने और सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था की जाए, ताकि सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों और पैदल राहगीरों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नागरिकों की मांग – बने स्थायी प्रबंधन

पन्ना के नागरिकों ने शासन से मांग की है कि

- आवारा पशुओं के लिए स्थायी गौशालाओं की व्यवस्था की जाए।
- चरनोई भूमि को मुक्त कराया जाए ताकि पशुओं को ठिकाना मिल सके।
- सड़कों पर पशु घूमने पर निगरानी और जुमार्ना व्यवस्था लागू हो।

लोगों का कहना है –

हम सड़क पर चलने से डरने लगे हैं, हर मोड़ पर दुर्घटना का खतरा मंडराता है। शासन यदि अब भी नहीं चेता, तो कोई बड़ा हादसा निश्चित है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त मौसम बिसेन का सिवनी दौरा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त मौसम बिसेन ने गुरुवार को सिवनी नगर का दौरा किया। उनका आगमन दोपहर एक बजे सिवनी में हुआ। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। अपने प्रवास के दौरान बिसेन ने पिछड़ा वर्ग कल्याण से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली और हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद वे विश्राम गृह, भाजपा कार्यालय, पूर्व विधायक नरेश दिवाकर के निवास तथा भाजपा नेता सुदेश राहंगडाले के निवास पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने भाजपा कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं परिचितजनों से मुलाकात की। प्रत्येक स्थल पर कार्यकताओं एवं नागरिकों ने पुष्पमालाओं और अंगवस्त्र भेंट कर उनका उत्साहपूर्वक स्वागत एवं सम्मान किया। बिसेन ने इस दौरान कार्यकताओं से संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछड़ा वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। सिवनी प्रवास के समापन पर शाम लगभग छह बजे मौसम बिसेन बालाघाट के लिए प्रस्थान हुए। उनके दौरे को लेकर पूरे दिन सिवनी नगर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

पवई में नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनीस खान का भव्य स्वागत, ली प्रथम बैठक

संगठन सृजन, हस्ताक्षर अभियान और बीएलए-2 पर हुई विस्तृत चर्चा

दैनिक रेवांचल टाइम्स पवई पन्ना। नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनीस खान के नेतृत्व में बुधवार को ब्लॉक पवई की पहली बैठक संदीपनी पैलेस में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बैठक में मुख्य रूप से वोट चोर गद्दी छोड़ो हस्ताक्षर अभियान, संगठन सृजन, तथा बीएलए-2 की नियुक्ति और प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनीस खान के प्रथम आगमन पर ब्लॉक पवई के कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को जीवन लाल सिद्धार्थ एवं अरुण पाल सिंह बुंदेला ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा की सक्रिय सदस्य एवं महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष संतोष देवी मिश्रा ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। उन्हें कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनीस खान ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। बैठक के उपरांत अनीस खान ने खमरिया पहुंचकर एक पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने मौके पर ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से फोन पर बात करवाई ताकि परिवार की समस्या का शीघ्र समाधान हो सके। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय श्रीवास्तव, माखन पटेल, रम्मू मणि यादव, तरुण सिकरवार, अजय देव बुंदेला, सरफराज फारूकी, स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी, सतेंद्र जैन, सौरभ दुबे, धीरेन्द्र लटोरिया, वसुंधरा राजे परमार, जगन्नाथ व्यास, महेश बढोलिया, गुमान सिंह यादव, रमेश द्विवेदी, भूपेंद्र सिंह बुंदेला, राम सेवक सिंगरौल, अवधेश पांडेय, अरविंद तिवारी, गलारे लाल चौधरी, रघुनाथ गुप्ता, राम गोपाल सोनी, मुकेश बागरी, सज्जन सिंगरौल, वर्षा अहिरवार, बीरेंद्र साहू, जीवन सिंगरौल, महबूब खान, रम्मू चौधरी, मुद्रिका प्रसाद पटेल, अफजल खान, युवराज लोधी, घसोटी चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्यपाल के पटेल दौरे के लिए सुरक्षा और शांति व्यवस्था हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लगी ड्यूटी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल के आगामी दो दिवसीय कटनी दौरे के मद्देनजर सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई है। साथ ही सभी अधिकारियों को समय-सीमा में सौंपे गये कार्य पूरा करने के निर्देश दिये गय हैं। राज्यपाल पटेल शनिवार 11 अक्टूबर कटनी पहुंचेंगे और रविवार 12 अक्टूबर को स्लीमनाबाद तहसील के ग्राम हरदुआ में भ्रमण करेंगे। जारी आदेश के अनुसार एसडीएम ढीमरखेड़ा श्रीमती निधि गोहल और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आदित्यप्रकाश द्विवेदी को कार्यक्रम स्थल पर ग्रीन/सेफ हाउस में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि संयुक्त कलेक्टर जितेंद्र कुमार पटेल एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मुड़वारा अवंतिका तिवारी कार्यक्रम स्थल में मंच पर कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेगे। इसी प्रकार पुलिस लाइन हेलीपैड झिंझरी पर कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर विंकी उइके एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अजीत तिवारी को, सर्किट हाउस से कार्यक्रम स्थल एवं कार्यक्रम स्थल से हेलीपैड में डिप्टी कलेक्टर प्रदीप मिश्रा एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आकाशदीप नामदेव तथा राज्यपाल के आगमन से प्रस्थान तक संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आशीष अग्रवाल की ड्यूटी लगाई गई है। ग्राम हरदुआ में संपूर्ण भ्रमण और कार्यक्रम के दौरान आगमन से प्रस्थान तक की व्यवस्था एसडीएम बहोरीबंद राकेश चौरसिया एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट स्लीमनाबाद सारिका रावत संभालेगे। इसी तरह, रक्षित केंद्र पुलिस लाइन के सेफ हाउस/ग्रीन रूम की व्यवस्था एसडीएम विजयराघवगढ विवेक कुमार गुप्ता (एसडीएम) एवं सहायक भू-अधीक्षक अमृता गर्ग देखेंगे। इसके अलावा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट रीठी संदीप सिंह सर्किट हाउस, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ढीमरखेड़ा नितिन पटेल वीआईपी प्रवेश द्वार, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट स्लीमनाबाद हर्षवर्धन रामटेके विशिष्ट अतिथि एवं मीडिया दीर्घा तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट विवेक मूले वीआईपी पार्किंग पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभायेंगे।

सीएमएचओ कार्यालय पन्ना में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई – लिपिक 2500 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

रेवांचल टाइम्स, पन्ना। लोकायुक्त सागर टीम ने आज पन्ना जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) कार्यालय में छापा मारते हुए स्थापना शाखा के लिपिक विमल खरे को ?2500 की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता दिलीप डामोर, जो जिला क्षय रोग विभाग में लैब टेक्नीशियन हैं, ने अर्जित अवकाश स्वीकृति के लिए आवेदन दिया था। लिपिक ने अवकाश स्वीकृति के बदले ?2500 की मांग की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा। बताया जा रहा है कि 10 दिनों के भीतर यह पन्ना जिले में लोकायुक्त की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। खबर लिखे जाने तक जांच की कार्यवाही जारी थी।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने किसानों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कटनी जिले में किसानों की सुविधा के नजरिए से 54 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर तथा एम.पी. किसान एप पर भी की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपए से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोट पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। आधार पंजीयन केन्द्रों में आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट कराया जा सकता है। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन हेतु पंजीयन के दौरान ही 1 रुपए का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन, जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन

पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। भू-अभिलेख और आधार कार्ड में दर्ज नाम में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जाएगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा।

पंचायत परिसर स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की कुल 38 दुकानों की नीलामी 31 अक्टूबर 2025 को 11 बजे।

दैनिक रेवांचल टाईम्स, सिवनी। जनपद पंचायत सिवनी द्वारा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों की नीलामी प्रक्रिया की आधिकारिक घोषणा की गई है। जनपद पंचायत सिवनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पंचायत परिसर स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की कुल 38 दुकानों की नीलामी की जाएगी। यह नीलामी मध्य प्रदेश पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 65 एवं पंचायत नियम 1994 के तहत की जाएगी। नीलामी प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से जनपद पंचायत सिवनी कार्यालय परिसर में संपन्न होगी। इच्छुक बोलीदाता 10 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। आवेदन के साथ ?500 की रसीद या डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना अनिवार्य किया गया है, बिना शुल्क के आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। जनपद पंचायत की ओर से बताया गया कि इच्छुक आवेदक दुकानों का क्षेत्रफल, आरंभिक मूल्य तथा अन्य विवरण पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। नीलामी पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के तहत की जाएगी तथा अंतिम स्वीकृति जनपद पंचायत सिवनी द्वारा दी जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जनसामान्य से अपील की है कि जो भी व्यापारी या इच्छुक व्यक्ति शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दुकान लेना चाहते हैं, वे निर्धारित समयावधि में आवेदन कर नीलामी प्रक्रिया में भाग लें। यह अवसर स्थानीय व्यापारियों के लिए एक सुव्यवस्थित व्यावसायिक स्थल प्राप्त करने का सुनहरा मौका होगा।

दैनिक रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक
डिंडोरी जिले में जिला ब्यूरो नियुक्त करना है और सभी ब्लॉक स्तर पर एजेंसी देना है पत्रकारिता के क्षेत्र में रुचि रखने वाले संपर्क करें
संवाददाता भी नियुक्त करना है
प्रबंध संपादक
अतुल कुमार
7415685293
7509202320
प्रधान कार्यालय
आदि प्लाजा की पीछे, फ्लैट न. 03
सी ब्लॉक, शताब्दीपुरम MR-4 रोड उखरी
जबलपुर म.प्र.

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान हैं?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

नगरीय क्षेत्रों की जल संरचनाओं में खरपतवार के सर्वेक्षण करने के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शहरी क्षेत्रों की जल संरचनाओं के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों के समस्त आयुक्त नगर निगम, मुख्य नगरपालिका अधिकारी और नगर परिषद को आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने पत्र जारी कर निर्देश दिए है। निदेर्शों में कहा गया है कि शहरी क्षेत्र की झील एवं तालाब में आक्रमक रूप से खरपतवार तेजी से फैल रहे है। इसका नकरात्मक प्रभाव जलीय संरचनाओं पर पड़ रहा है। इसके दुष्प्रभाव से पानी में ऑक्सीजन की कमी के साथ ही जलीय जंतुओं एवं वनस्पति में लगातार गिरावट आ रही है। जैव विविधता की कमी से मानव स्वास्थ्य पर विपरित असर पड़ रहा है। पत्र में कहा गया है कि जलीय संरचनाओं में सर्वाधिक अतिक्रमण करने वाले मुख्य प्रजाति जल कुंभी, बेशरम बेल और गाजर घास प्रमुख है। नगरीय एवं विकास संचालनालय ने जीआईएस तकनीक के माध्यम से प्रदेश की जल संरचनाओं में जल कुंभी द्वारा अतिक्रमित क्षेत्रों की पहचान की है।

PWD के पूर्व चीफ इंजीनियर के घर लोकायुक्त का छापा

भोपाल में जेपी मेहरा के 4 ठिकानों पर पहुंची टीम, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

जेपी मेहरा

भोपाल। भोपाल में पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के पूर्व चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा के भोपाल स्थित मणिपुरम आवास पर गुरुवार सुबह लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के तहत की गई है। जीपी मेहरा पर अपने कार्यकाल के दौरान विभागीय ठेकों और निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों की जांच करते हुए लोकायुक्त की टीम आज सुबह पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंची और तलाशी शुरू की।

चार ठिकानों पर मारे गए छापे : मेहरा के एक साथ चार ठिकानों पर छापा मारा गया है, जिसमें गोविंदपुरा स्थित बंगला, बावड़िया कला स्थित बंगला सोहागपुर स्थित घर और मणिपुरम स्थित बंगला शामिल है। मणिपुरम कॉलोनी और बावड़िया स्थित बंगले से बड़ी संख्या में केश और सोने के जेवरात मिले हैं। इन दोनों ठिकानों पर केश गिनने के लिए मशीनें मंगानी पड़ी हैं। इसके अलावा टीम को प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। इनमें मुंबई में खरीदी गई संपत्ति से जुड़े प्रमाण भी शामिल हैं। कार्रवाई सुबह 6 बजे से लगातार जारी है।

कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी सील

केस दर्ज करेगी तमिलनाडु सरकार; एमपी की एसआईटी ने चेन्नई में की जांच, सबूत जुटाए

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में 24 बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा का डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन गिरफ्तार कर लिया गया है। मध्य प्रदेश सरकार की रख्ळ ने तमिलनाडु के चेन्नई से उसे दबोचा। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। रख्ळ ने तमिलनाडु में कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस और कांचीपुरम स्थित प्लांट का दौरा कर साक्ष्य भी जुटाए। इससे पहले बुधवार को कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी की फैक्ट्री को तमिलनाडु सरकार ने सील कर दिया। सरकार ने चेन्नई बेस्ड कंपनी के खिलाफ केस दर्ज करने की भी बात कही है। बता दें कि तमिलनाडु सरकार की जांच में कोल्ड्रिफ सिरप में 48.6% जहरीला रसायन डायएथिलिन ग्लायकॉल पाया गया था। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार की जांच में भी सिरप कोल्ड्रिफ (उङ्ग'ङ्क्षि) में 46.2% डायएथिलिन ग्लायकॉल (अएत्र) की पुष्टि हुई थी।

छिंदवाड़ा के सिविल सर्जन को हटाया गया : जहरीले सिरप से मौत के इस मामले में एक और एक्शन हुआ है। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के सिविल सर्जन नरेश गोन्नाड़े को हटा दिया है। उनकी जगह डॉ. सुशील दुबे नए सिविल सर्जन बनाए गए हैं। नरेश गोन्नाड़े सीएमएचओ भी हैं, उनके पास सिविल सर्जन का प्रभार भी था। जिसके बाद उनसे सिविल सर्जन का चार्ज वापस ले लिया गया है।

इससे पहले बुधवार को डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर ने उन्हें लैब की खामियां गिनाईं। स्वास्थ्य मंत्री मृतक बच्चों के परिजन से भी मिले। इससे पहले डिप्टी सीएम मंगलवार रात को नागपुर पहुंचे थे, यहां वे अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती बीमार बच्चों से मिले। इसके बाद शुक्ल छिंदवाड़ा पहुंचे।

राहुल गांधी आएंगे परासिया, पीड़ितों से मिलेंगे

इस बीच खबर है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 11 या 12 अक्टूबर को छिंदवाड़ा आएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, वे परासिया में कफ सिरप पीने से मृत बच्चों के परिजन से मुलाकात करेंगे।

ड्रग इंस्पेक्टर ने बताई लैब की खामियां

बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर ने स्वास्थ्य मंत्री को लैब की कमियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी लैब को अपडेशन की जरूरत है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कहां की लैब, छिंदवाड़ा की या भोपाल की। इस पर ड्रग इंस्पेक्टर ने कहा कि भोपाल की लैब। वहां पर ही माइक्रो लेवल पर टेस्टिंग नहीं हो पाती और जांच में भी समय लगता है।

ओबीसी आरक्षण केस, सॉलिसिटर जनरल ने फिर मांगा टाइम

13 होल्ड हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट अब नवंबर के पहले हफ्ते में करेगा सुनवाई

भोपाल। एमपी में कमलनाथ सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग को दिए गए 27% आरक्षण के मामले में आज फिर सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले में और वक्त देने की मांग रखी। मेहता ने कोर्ट से कहा कि इसमें कई तकनीकी पक्ष हैं जिनको समझने के लिए थोड़े और समय की जरूरत है। अब इस मामले की सुनवाई अगले महीने (नवंबर) के पहले हफ्ते में होगी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि इस मामले को हम एमपी हाईकोर्ट वापस भेज देते हैं। क्योंकि, इस मामले में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं है। यदि हाईकोर्ट का कोई निर्णय होता तो उसके आधार पर हमें निर्णय करने में आसानी होती। ऐसे में हम इस मामले में अंतरिम आदेश को वैकेट करते हुए इन मामलों को हाईकोर्ट वापस भेजने पर विचार करेंगे। क्योंकि, हाईकोर्ट को राज्य की डेमोग्राफी, टोपोग्राफी और इस मसले से जुडे. तमाम पहलु बेहतर तरीके से पता हैं।

पूर्व सीएम बोले- बार-बार वक्त क्यों मांगा जा रहा : ओबीसी आरक्षण मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने लिखा, मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण का मामला अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर सरकार बार-बार वक्त क्यों मांग रही है? पिछली सुनवाई में भी सरकार पूरी तैयारी के साथ नहीं पहुंची थी और अब एक बार फिर वही बहाना दोहराया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने खुद सरकार की मंशा और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल, यह साफ दिख रहा है कि मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ओबीसी समाज को 27% आरक्षण देना ही नहीं चाहती। जो हक कांग्रेस सरकार ने दिलाया था, वही हक बीजेपी ने छीन लिया।

रायसेन में खाद के लिए पुलिस ने बांटे टोकन

रायसेन। रायसेन जिले में डीएपी और यूरिया खाद लेने कहीं किसान लंबी लाइन में लगे हैं तो कहीं रतजगा करना पड़ रहा है। किसान सहकारी समितियों और गोदामों पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आगे पड़ रहा है। बुधवार को रायसेन कृषि उपज मंडी स्थित एमपी एग्रो केंद्र पर 500 से अधिक किसान खाद लेने पहुंचे। भीड़ अधिक होने के कारण व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाला। कर्मचारियों के साथ मिलकर पुलिस ने किसानों को टोकन बांटे, जिनमें से केवल 400 किसानों को ही टोकन मिल पाए। शेष किसान खाली हाथ लौट गए। किसानों ने बताया कि उन्हें एक आधार कार्ड पर केवल दो बोरी खाद दी जा रही है, जबकि उनकी आवश्यकता अधिक है। इस समय कुछ किसानों को धान की फसल के लिए खाद चाहिए, वहीं अधिकतर किसान रबी सीजन की फसलों के लिए खाद लेने पहुंच रहे हैं।

एमपी में अब दिन में धूप, रात में ठंडक

पूर्वी हिस्से में 2 दिन बूंदाबांदी के आसार; 12 जिलों से मानसून विदा

भोपाल। मध्यप्रदेश में दिन में तेज धूप खिलेगी और रात में गुलाबी ठंड का अहसास होने लगेगा। मौसम विभाग ने 2 से 3 दिन में पूरे प्रदेश से मानसून की विदाई के संकेत दिए हैं। पूर्वी हिस्से में 3 दिन तक बूंदाबांदी के आसार जरूर है। बुधवार को प्रदेश में कहीं भी बारिश रिकॉर्ड नहीं की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 12 जिले- ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम से मानसून पूरी तरह से विदा हो चुका है, जबकि राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से लौटा है। अभी प्रदेश में बारिश होने का कोई सिस्टम एक्टिव नहीं है। इन वजहों से पूरे प्रदेश से मानसून के लौटने की परिस्थितियां अनुकूल हुई है।

अगले 3 दिन धूप-छाव और बूंदाबांदी वाला मौसम मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले 3 दिन धूप-छाव और बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा। पूर्वी हिस्से के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में दिन में तेज धूप खिली रहेगी। इधर, कई शहरों में रात का पारा 18 डिग्री तक पहुंच गया है। 8-9 सितंबर की बात करें तो धार, इंदौर, राजगढ़ में तापमान 17.6 से 17.7 डिग्री के बीच रहा। भोपाल में 19.6 डिग्री, उज्जैन में 19 डिग्री, ग्वालियर में 22.1 डिग्री और जबलपुर में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बैंक ने पुलिस को दिए 15 सीसीटीवी कैमरे : अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा में मिलेगी मदद

बैतूल। बैतूल पुलिस को क्रेडिट एक्सिस ग्रामीण लिमिटेड ने 15 सीसीटीवी कैमरे और एक डीवीआर मशीन प्रदान की हैं। यह उपकरण बैंक के वेलफेयर फंड से दिए गए हैं और इसका उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा को मजबूत करना है। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर थानों के क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बनाई गई थी। इससे अपराध, सड़क दुर्घटनाओं, त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों पर नजर रखी जा सकेगी। साथ ही, अपराधियों की पहचान और उनकी तलाश में तकनीकी मदद भी मिलेगी। इस पहल के तहत सभी थाना प्रभारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों और बैंकिंग सेक्टर से सहयोग मांगा था। इसी क्रम में, बैतूल ब्रांच, बडोरा की क्रेडिट एक्सिस ग्रामीण लिमिटेड ने यह मदद दी। इस मौके पर बैंक के डिवीजनल मैनेजर मोहन खिचड़े, एरिया मैनेजर वसूंदी उईके, शाखा प्रबंधक प्रवीण साहू, एच.आर. ट्रेनर जितेंद्र ठाकरे, सहायक ब्रांच मैनेजर इंदर भारती और अन्य स्टाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी ने उपकरण स्वीकार किए। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बैंक प्रबंधकों और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया और अन्य संस्थानों, संगठनों और नागरिकों से जिले की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने में सहयोग करने की अपील की।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पहली जिम्मेदारी कलेक्टर्स की : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

घटना हो या दुर्घटना, तत्काल मौके पर पहुंचे : जन सुरक्षा, सुशासन और सेवा भाव हो प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय कर ड्रग कारोबार को करें नेस्तनाबूत

कलेक्टर्स एवं एसपी विकसित करें खुद का सूचना तंत्र

मध्यप्रदेश को अगले 6 महीने में बनाए नक्सल मुक्त प्रदेश

कानून एवं व्यवस्था पर हुआ कांन्फ्रेंस का आंठवा और अंतिम सत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कलेक्टर्स जिले के प्रशासनिक मुखिया होने के साथ-साथ जिला दण्डाधिकारी भी हैं, इसीलिए जिले में कानून व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करने की पहली जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों में खुद का प्रभावी सूचना तंत्र विकसित करें, ताकि किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना तत्काल प्राप्त हो और समय पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी घटना या दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचे। इससे घटना या दुर्घटना और अधिक बड़ा रूप नहीं लेंगी। जिला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने से स्थिति नियंत्रण में बहुत मदद मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कलेक्टर एवं एसपी दोनों में उच्च कोटि का तालमेल होना चाहिए। दोनों संयुक्त रूप से कार्ययोजना बनाकर जिले की कानून व्यवस्था की निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के दृष्टिगत ऐसी संवेदनशील बस्तियां जहां सड़कें सकरी हैं, तथा फोर्स मूवमेंट में समस्या आती है, सभी कलेक्टर्स ऐसे स्पॉट्स/जगहों को चिन्हित कर वहां का जोनल प्लान स्थानीय नगरीय निकायों के सहयोग से अगले तीन माह में तैयार कर लें, ताकि आवागमन सुगम हो और आवश्यकता पड़ने पर फोर्स मूवमेंट में समस्या न आए। उन्होंने मार्च 2026 तक मध्यप्रदेश को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए ठोस रणनीति बनाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के आठवें एवं अंतिम सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सेंसिटिव पुलिसिंग पर जोर देते हुए कहा कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भाव होना चाहिए। पुलिस अपनी साख बनाएं और अपराधों को रोकने में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करें। प्रदेश के सभी कलेक्टर्स-एसपी की संयुक्त कॉन्फ्रेंस का विषय ह्णकानून एवं व्यवस्था की सुनिश्चितताह्न था। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की मौजूदगी में हुए इस अंतिम सत्र का संचालन अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री शिवशेखर शुक्ला ने किया। सत्र में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मध्यप्रदेश को मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने के दृष्टिगत 6 माहों में बालाघाट, मण्डला और डिण्डोरी जिलों के कलेक्टर्स और एसपी लक्ष्य केंद्रित कर यह काम पूरा करें। उन्होंने कहा कि नक्सली घटनाओं को समाप्त करने के लिए हर संभव कार्यवाही करें। नक्सली या तो सरेंडर करें अन्यथा उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले में नक्सली गतिविधियों में बेहद कमी आने के कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बालाघाट को अति नक्सलवाद प्रभावित जिले की श्रेणी से डाउनग्रेड कर सामान्य श्रेणी में कर दिया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर कलेक्टर-एसपी बालाघाट दोनों को बधाई दी। बताया गया कि कलेक्टर बालाघाट द्वारा नक्सल प्रभावित ग्रामों में विशेष प्रयास करके 200 से अधिक युवाओं को एलएनटी जैसी कंपनी में रोजगार दिलाया है। इससे वह दिशाभ्रमित होने से बच गए और समाज की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस साल ही हमने आठ मुठभेड़ में दस नक्सली मार गिराए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों को बाहर करने के लिए पुलिस एवं अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से कार्य करें, इस काम में और सख्ती लाएं। उन्होंने बताया कि अब तक 19 बांग्लादेशियों को चिन्हित कर वापस भेजा गया है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ ऐसी कार्यवाही आगे भी जारी रखें। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूल एवं कॉलेज के आसपास आपराधिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए सूचना तंत्र विकसित करें, निगरानी तंत्र को और तेज करें और ऐसे चिन्हित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएं। स्कूल-कॉलेजों के आसपास असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ अन्य विभागों को भी जोड़ा जाए। पुलिस एवं प्रशासन खुद के सूचना तंत्र से जानकारी लेकर अपराधों पर अंकुश लगाएं। नगरीय निकाय और पंचायतें पुलिस के सुझाव के अनुसार सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध कराएं। महिला अपराधों के संबंध में काउंसलिंग करें। अन्य सामाजिक संगठनों को भी इस काम से जोड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन जिलों में शासकीय अमले पर हमले होने की अधिक घटनाएं होती हैं, वहां कलेक्टर-एसपी अन्य विभागों के साथ बेहतर तालमेल और समन्वय कर कार्यवाही करें, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से सख्ती से निपटें। घटना की वजह पता कर उसका समुचित समाधान भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों में खाद-बीज के वितरण की व्यवस्था में भी पुलिस एवं जिला प्रशासन सामंजस्य से काम करें। किसानों को किसी तरह की समस्या नहीं आनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में ड्रग्स के अवैध कारोबार एवं नशे पर अंकुश लगाने के लिए पड़ौसी राज्यों के साथ समन्वय करते हुए हर स्तर पर नशे को प्रतिबंधित किया जाए। इसी कड़ी में कोरेक्स कफ सिरप के अतिशय उपयोग को भी नियंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि ड्रग एवं अन्य नशे के पदार्थ के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने के लिए इंडस्ट्रियल बेल्ट में कलेक्टर-एसपी तालमेल करके बारीक निगाहे रखें। इनका लगातार निरीक्षण होता रहे। कोरेक्स को कैसे कंट्रोल किया जाए, इसके लिए उच्च स्तर पर विचार कर समाधान निकालें। शेड्यूल एच ड्रग्स ओवर द काउंटर ना बिकें और सभी दवाइयों का हिसाब भी फार्मासिस्ट अनिवार्य रूप से रखें।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत करते हुए अपराधों में संलिप्त आदतन अपराधियों की जमानत निरस्त की जाएं। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सेल के माध्यम से जिले में आदतन अपराधियों की जमानत निरस्तगी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराधों के खिलाफ भी कार्रवाई में तेजी लाएं। ऐसे अपराध न होने पाएं, इसके लिए जनजागृति अभियान चलाएं। रोड सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन कराकर रोड एक्सीडेंट्स रोकने के लिए भी भरसक प्रयास करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत रहने से विकास कार्यों को गति मिलती है। अतः सभी कलेक्टर्स एवं एसपी अपने अधीनस्थ अधिकारियों और मैदानी अमले के साथ समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था बनाए रखें। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर समीक्षा करते रहें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित चिह्नित अपराध प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स से कहा कि मध्यप्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप सभी राज्य शासन के प्रतिनिधि हैं। आपकी कार्यशैली ही शासन की छवि बनाती है। जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाना हम सभी का साझा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी दोषमुक्त प्रकरणों की समीक्षा के लिए जिला स्तर पर जिला दण्डाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित है, इन समितियों द्वारा कितने प्रकरणों की समीक्षा की गई, कितने अभियोजकों और अनुसंधान अधिकारियों को गलत विवेचना एवं अभियोजन कार्यवाही के लिए दोषी पाया गया, यह देखा जाना भी आवश्यक है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स एवं एसपी से कहा कि हमारा प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कलेक्टर और एसपी तथा सभी मैदानी अधिकारी राज्य शासन के प्रतिनिधि के रूप में ही जिलों में तैनात हैं। आप जैसा काम करेंगे, शासन की छवि भी वैसी ही निर्मित होगी।

13 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

भावांतर योजना का जताया विरोध

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मणिन्द्र कुमार सिंह को 13 मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने राज्य सरकार की भावांतर भुगतान योजना का विरोध करते हुए इसे किसानों के हितों के खिलाफ बताया। ज्ञापन सौंपने के दौरान कोतवाली टीआई गौरव चाटे और किसान यूनियन के जिला प्रवक्ता लोकेश सिंह पटेल के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य किसानों ने स्थिति को संभाल लिया। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। संगठन ने सोयाबीन और मक्का को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की मांग की।

नुकसान हुआ है। कृषि विभाग ने अब तक कोई सर्वे नहीं किया है। संगठन ने जल्द सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। ज्ञापन में वड़गुंवा खंडसारी फैक्ट्री के गन्ना किसानों के कानून जल्द लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, किसानों ने डीएपी और यूरिया की कमी, बेसहारा पशुओं से फसलों के नुकसान, नहरों की समय पर सफाई, कृषि पंपों के मनमाने एचपी से हो रहे नुकसान का मूल्यांकन कर उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों के तुरंत कार्यवाही कि जाए।

नहरों की हो मरम्मत

ज्ञापन मे बताया गया है कि नहर विभाग आगामी सीजन के लिए 2025-2026 के लिए जो भी नहरों की मरम्मत व साफ सफाई के कार्य है उन्हें समय रहते पूर्ण किया जाए। जिससे किसानों को जल वितरण में किसी भी प्रकार का अवरोध न हो। विद्युत विभाग द्वारा जो मी कृषि पंपों के मनमाने तरीके से बढ़ाये गए हैं किसान के आवेदन भर पुनः मूल्यांकन कर उनी ठीक किया जाए एवं जर्जर स्थिति में खड़े पोल लाईन को बदला जाए। खेत-सड़क योजना पुनः चालू की जाये, जिससे कृषि कार्यों में किसान को सुविधा हो। सी.एम. कृषि पम्प योजना में कनेक्शन दिये जा रहे हैं सुचारू रूप से क्रियांबवन

किसानों ने भावांतर जैसी योजनाओं को गलत बताते हुए इनसे बचने की अपील की।

सोयाबीन का सर्वे कराने की मांग : ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि यूनियन ने बताया कि जिले के कई गांवों में अतिवृष्टि के कारण सोयाबीन और मक्का की फसलों को 75 प्रतिशत से अधिक बकाया भुगतान को जल्द निपटाने की भी मांग की गई। यूनियन ने कहा कि नरसिंहपुर प्रदेश का प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्र है, फिर भी सरकार ने गन्ना खरीदी की रिकवरी आधारित कानून नहीं बनाया है।

पशुओं से हो फसलों की रक्षा : संगठन ने गन्ना उत्पादक किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए यह निर्धारण और जर्जर बिजली पोलों की मरम्मत जैसी समस्याओं पर भी चिंता व्यक्त की। संगठन ने जिले में कृषि पंप योजना को जारी रखने और बिजली रखरखाव के लिए आवंटित 287 करोड़ रुपए के प्रभावी उपयोग की मांग की। भावांतर योजना का पुरजोर तरीके से विरोध करता है। पशुओं व सुअर में लाया जाये। विद्युत विभाग को जिले में मेटेनेश के लिए अनुमानित राशि 287 करोड़ रुपये आवंटित हुई है जिसका काम अग्रवाल पॉवर कमानी को मिला है। किसानों के आवेदन पर उनके खच्चों व तारो को प्राथमिकता से विद्युत विभाग द्वारा समस्या का निराकरण किया जाये।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ ने मनाया स्थापना दिवस

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ की जिला शाखा द्वारा संघ के 47वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में संगठन के जिला संरक्षक गजेन्द्र नायक संभागीय सचिव प्रदीप पटेल जिलाध्यक्ष संजय लमानिया सचिव भीकम सिंह कौरव कोशाध्यक्ष आर.आर. अवस्थी, की उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम के आरंभ में भगवान विश्वकर्मा, भारत माता स्व. दंतोपंत ठेंगडी जी के पूजन-अर्चन के साथ ही तहसील अध्यक्ष करेली धर्मेन्द्र चैसरिया द्वारा संगठन गीत प्रस्तुत किया गया। सभी पदाधिकारियों द्वारा संगठन की महत्ता एवं संगठन के उदेश्य, संघ की रीति-नीति राश्ट्रहित, प्रदेषहित, कर्मचारी हित पर विस्तृत प्रकाश डालते हुये अपने उद्बोधन में जिला शाखा की सक्रियता एवं कर्मचारी हित में तत्परता से निर्णय लेने को सराहा गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में जिले की सभी तहसीलों एवं विकासखण्डों से उपस्थित पदाधिकारी सर्व मुकेश दुबे, संतोश सोनी, बी.पी. शर्मा, अषोक कौरव, राम नारायण सिंह रघुवंशी, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार तहसील अध्यक्ष नरसिंहपुर दिनेश परतेती द्वारा किया गया।

मंजीत छाबड़ा को बनाया प्रभारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बुधवार को श्री गुरु रामदास साहिब जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा स्टेशनगंज नरसिंहपुर में संगत एकत्रित हुई और इसी मौके पर आगामी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए समाज ने सर्वसम्मति से सरदार मनजीत सिंह छाबड़ा (बब्लू वीरजी) को श्री गुरु सिंह सभासी नरसिंहपुर का प्रभारी (मार्गदर्शक) नियुक्त किया है। गुरु सिंह सभा नरसिंहपुर के सभी कार्यक्रमों, गुरुद्वारे में होने वाली कार सेवाओं अथवा दैनिक कार्यों की सूचना और सहमति प्रभारी के माध्यम से ही दी जायेगी।

भावांतर योजना में एक हजार 964 किसानों का हुआ पंजीयन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नरसिंहपुर ने बताया कि भावांतर योजनांतर्गत जिले में निर्धारित पंजीयन केन्द्रों, ग्राहक सुविधा केन्द्र, एमपी किसान एप, एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से अब तक कुल एक हजार 964 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन 17 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। जिले की 24 सहकारी संस्थाएं और विपणन संस्थाओं के माध्यम से किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। किसान अपने नजदीकी सहकारी समिति में जाकर पंजीयन करा सकते हैं। इसके अलावा कृषक ग्राम सुविधा केन्द्र, एमपी किसान एप, एमपी ऑनलाइन कियोस्क के माध्यम से भी अपना पंजीयन कर सकते हैं। किसान पंजीयन कराते समय अपने साथ आधार कार्ड, जमीन की पावती, समग्र आईडी, बैंक पासबुक और आधार लिंक मोबाइल नंबर जरूरत लेकर आएं। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने जिले के किसानों से अपील की है कि अपनी उपज विक्रय के लिए नजदीकी पंजीयन केन्द्र में जाकर अपना पंजीयन जरूर करवाएं। पंजीयन कराते समय आवश्यक रूप से ध्यान दिया जाए कि ऐसे बैंक खाते को दर्ज कराएं, जिससे आसानी से बैंक खाते में राशि का भुगतान हो सके।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई शून्य

प्रशासक पर लगे आरोप, परेशान हो शिकायतकर्ता

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सरकार द्वारा किसानों को खुशहाल बनाने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है। योजनाओं के संचालन का लक्ष्य है कि किसान को किसी प्रकार परेशानी का सामना ना करना पड़े लेकिन धरातल मे ऐस नही है। सरकार की योजनाओं पर अधिकारी कर्मचारियों द्वारा पलीता लगाने के लिए तुले हुए है। जिले के अनेकों किसान प्रशासन के कर्मचारियों की कार्यप्रणाली के कारण परेशान बने हुए है ऐसा ही मामला सामने आया जिसमें किसान द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत की गई। चंदपुरा निवासी किसान शारदा सेन द्वारा कलेक्टर के नाम दी गई

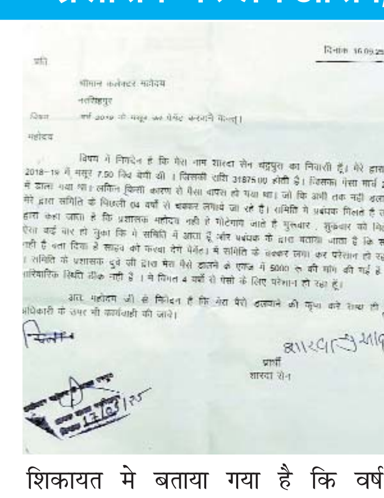
दिनांक 16.09.25
प्रति
श्रीमान कलेक्टर महोदय
नरसिंहपुर
महोदय
प्रार्थी
शारदा सेन

शिकायत मे बताया गया है कि वर्ष 2018-19 में 7.50 क्विंटल मसूर बेची थी। जिसकी राशि 31875 रूपए का भुगतान होना था। मार्च 2021 राशि खाते में डाली गई लेकिन किसी कारण वस राशि खाते से वापस हो गई। कागजी प्रक्रिया को पूर्ण कर अभी तक राशि नही डाली गई। बीते चार वर्ष से अनेकों बार कार्यालय के चक्कर लगा चुका हूं। प्रबंधक द्वारा कहा जाता है कि प्रशासक द्वारा राशि डाली जावेगी और अभी प्रशासक नही है गोटेगांव जाते है गुरूवार शुक्रवार को मिलेगे। ऐसा कई बार हो चुका है। समिति के चक्कर लगा कर परेशान हो रहा हूँ। उक्त संबंध में समिति के प्रशासक संजय दुबे से मुलाकात की तो उनके द्वारा पैसे डालने के एवज मे 5 हजार रूपए की राशि की मांग की जा रही है। वही दूसरी शिकायत मे पीड़ित द्वारा बताया गया है कि प्रशासक द्वारा सेवानिवृत्त होने के बाद सुरक्षा निधि की राशि देने में आनाकानी की जा रही है। जिसे लेकर पीड़ित कर्मचारी द्वारा कलेक्टर के नाम शिकायत दी गई। शिकायत के बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नही की गई। प्रशासन को चाहिए की ऐसे प्रशासनिक अधिकारी पर ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। पीड़ित ने शिकायत मे बताया है कि वह प्रबंधक के पद से विगत वर्ष सेवानिवृत्त हो चुका है लेकिन वर्तमान प्रशासक द्वारा सुरक्षा निधि की राशि रोक दी गई।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर पेंशनर समाज सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। म प्र पेंशनर्स समाज द्वारा पेंशनर्स की 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन देवंती परते डिप्टी कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर एस, के, चतुवेर्दी प्रांतीय अध्यक्ष म प्र पेंशनर्स समाज, शिवकुमार जाट जिला अध्यक्ष, विजय दुबे जिला सचिव, भवानी शर्मा जिला कोषाध्यक्ष, आर, पी, पटेल राजेंद्र नावकर, आर डी साहू, के, आर, नामदेव, त्रिलोक जाट, कैलाश राय, लाल चंद मेहरा, उमेश दुबे, लेखराम विश्वकर्मा, प्रमोद जेन सहित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

173 लंबित प्रकरणों का कराया निराकरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। सर्वोच्च न्यायालय तथा मीडिएशन एवं कंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी नई दिल्ली के आदेशानुसार एवं न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं अखिलेश शुक्ला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला नरसिंहपुर एवं तहसील गाडरवारा, गोटेगांव व तेंदूखेडा के समस्त सिविल न्यायालयों में राजीनामा योग्य एवं शमनीय 173 लंबित प्रकरणों को मीडिएशन फार द नेशन अभियान के अधीन 01 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 के मध्य निराकरण किया गया। जिसमें वैवाहिक प्रकृति के 19 प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा के 02 प्रकरण घरेलू हिंसा के 02 प्रकरण चेक बाउंस के 69 प्रकरण आपराधिक प्रकृति के 61 प्रकरण विभाजन मामलों का 01 प्रकरण एवं अन्य सिविल प्रकृति के 19 प्रकरणों को श्रेणीवार निराकरण हुआ। महत्वपूर्ण है कि मध्यप्रदेश में उक्त 90 दिवसीय अभियान के अधीन तहसील स्तर के न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक मध्यस्थता हेतु योग्य प्रकरणों को चिन्हित किया जाकर सक्षम एवं प्रशिक्षित मध्यस्थों को मध्यस्थता हेतु प्रकरण प्रेषित किए गए और संबंधित पक्षकारों को मध्यस्थता हेतु सूचना प्रदान की जाकर पक्षकारों की सहमति से प्रकरणों के निराकरण का प्रयास किया गया जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थों के अतिरिक्त न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकारों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

ट्रेन मे बिगड़ी तबियत हो गई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस ट्रेन मे यात्रा कर रहे व्यक्ति की तबियत बिगड़ गई। जिसे परीक्षण के दौरान डाक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार जमील अंसारी उम्र 35 वर्ष निवासी देवरी बिहार मुम्बई से इलाज कराकर अपने घर जा रहे थे तभी इटारसी स्टेशन के बाद तबियत बिगड़ गई जिसकी सूचना डा आर आर कुर्रे को दी गई। सूचना पर स्टेशन नरसिंहपुर मे यात्री का परीक्षण किया गया जिसमे डाक्टर कुर्रे द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया कि हार्ट अटैक के कारण मौत हुई है। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव को परीक्षण के लिए रखवा लिया एवं परजिनों को सूचना दी गई।

खेल/व्यापार

क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया, बुमराह को मिल सकता है आराम

नई दिल्ली। शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार से अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगी। वहीं वेस्टइंडीज इस मैच को जीतकर सीरीज बराबर करना चाहेगी। मेजबान भारतीय टीम ने अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट में तीन दिन से भी कम समय में मेहमान टीम को एक ऐसे प्रदर्शन से धूल चटाई जो पहले से तय लग रहा था। इस मैच में तीन शतकों और एक अनुशासित गेंदबाजी ने सभी को यह याद दिला दिया कि भारत अपनी धरती पर लगभग अपराजेय क्यों है। केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा, सभी शतक बनाने वालों के क्लब में शामिल हो गए। ये सभी लय में दिखे और वेस्ट इंडीज पर उनका दबदबा एक जैसा था। वहीं गेंदबाजी क्रम की बात की जाये तो मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को कौशल और सटीकता से ध्वस्त कर दिया। हालांकि, इस बार भारत के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए बुमराह को आराम दिया जा सकता है। प्रसिद्ध कृष्णा युवा ऊर्जा और उछाल लेकर आएंगे और नई गेंद से सिराज का साथ देंगे।

उनके पीछे जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की भरोसेमंद स्पिन तिकड़ी है। यह ऐसा संयोजन जिसने मेहमान टीम के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम है। वहीं वेस्टइंडीज की बात की जाए तो उनका हालिया रिकॉर्ड उन्हें बहुत कम सुकून देता है। उन्होंने 2002 के बाद से भारत में कोई टेस्ट नहीं जीता है और हाल के मुकाबलों में भारत को चार दिन से ज्यादा समय तक नहीं खींच पाए हैं। कप्तान रोस्टन चेज को केवल दृढ़ संकल्प से ज्यादा प्रेरित करने की जरूरत होगी। तेजनारायण चंद्रपॉल और जॉन कैंपबेल की सलामी जोड़ी को भारतीय गेंदबाजी के शुरूआती तूफान से निपटने का तरीका खोजना होगा, जबकि शाई होप और एलिक अथानाज को मध्य क्रम में जिम्मेदारी उठानी होगी। वेस्टइंडीज यह मुकाबला जीतकर सीरीज बराबर करने के लिए संकल्प के साथ मैदान में उतरना चाहेगी।

यहां की पिच की बात की जाए तो यह अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप, शुरूआत में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है लेकिन धीरे-धीरे स्पिनरों के लिए मददगार होगी। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का यहां ऐतिहासिक रूप से बेहतर प्रदर्शन रहा है, पिछले दस टेस्ट मैचों में से छह में जीत हासिल की है, और एक बार फिर टॉस अहम हो सकता है।

भारत की संभावित एकादशः- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज की संभावित एकादशः- रोस्टन चेज (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, खारी पियरे, जोहान लेने और जेडेन सील्स।

सोनालिका ने बनाया सेल का नया रिकॉर्ड

कंपनी की सितंबर में 20786 ट्रैक्टरों की सर्वाधिक मासिक बिक्री

दिल्ली। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर वन ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ देशभर के किसानों का एक बार फिर त्योहारों में उत्साह बढ़ाया है। कंपनी ने सितंबर 2025 में 20786 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। यह उल्लेखनीय प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग और सोनालीका की प्रतिबद्धता से प्रेरित है, जो भारतीय किसानों के लिए उत्पादकता बढ़ाने हेतु अनुकूलित ट्रैक्टर निर्माण करता है। त्योहारों की शुरूआत के साथ सोनालीका ने अगस्त 2025 से ही

अपने सबसे बड़े वार्षिक ऑफर- रु39यहैवी ड्यूटी, धमाका-रु39य पेश कर दिया है, जिससे किसानों को सर्वोत्तम तकनीक और उत्तम मूल्य पर ट्रैक्टर उपलब्ध करवाने में मदद मिली है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में ट्रैक्टरों पर जीएसटी में 12 फीसदी से कटौती करके 5 फीसदी कर दिया है, जिसने किसानों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है और देशभर में हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों को और भी किफायती और सुलभ बनाया है। दुनिया के नंबर वन एकीकृत ट्रैक्टर प्लांट द्वारा समर्थित, सोनालीका पूरे देश में बेहतर गुणवत्ता वाले ट्रैक्टरों और समय पर डिलीवरी की गारंटी देता है। रमन मित्तल ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने बताया कि हाल ही में घोषित जीएसटी कटौती ने किसानों को नई तकनीक वाले ट्रैक्टरों को अपनाकर आगे बढ? में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

डॉक्टर की बिना पर्ची मेडिकल स्टोर वाले बेच रहे नशीले इंजेक्शन

एंटी एलर्जी की 2 एमएल डोज ले रहे नशेड़ी, जीवन रक्षक दवा से 'नशा' कर रही युवा पीढ़ी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिम्मेदार पुलिस का कहना है कि नशे के इंजेक्शनसीर प बेचने वालों की पहचान बड़ी मुश्किल से हो पाती है। दवा दुकानदार बिना डॉक्टर की पर्ची के विशेष फार्मूले वाले नशीले इंजेक्शन-सीरप जान-पहचान वालों को अपनी रिस्क पर दे रहे हैं, जिसका कोई रिकॉर्ड नहीं रहता। नशेड़ी एक ही इंजेक्शन से कई युवक एक साथ नसों में नशे की डोज इंजेक्ट करते हैं, तो वे गंभीर बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। जबलपुर के कुछ दवा व्यापारी प्रदेश के बाहर भी नशीले इंजेक्शन का कारोबार कर रहे हैं। जीवन रक्षक दवाओं की आड़ में शहर के सैकड़ों युवा 'नशा' के लिए कई तरह के इंजेक्शनसीर प व टेबलेट का इस्तेमाल कर रहे है। इंजेक्शन का नशा करने वालों को यह जहर कुछ दवा दुकानों से ही मिलता है। ऐसे इंजेक्शन की कालाबाजारी होती है, जिनका इस्तेमाल नशे के रूप में होता है।

युवा पीढ़ी है आगे

नशा करने वालों में युवा पीढ़ी आगे है। कोई शराब तो कोई सिगरेट तंबाकू का नशा कर खुद को रिलेक्स महसूस करता है। युवाओं ने चोरी छिपे दवाओं को नशा का जरिया बनाया है। नशा करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनमें भी सीरप और इंजेक्शन से नशा करने वालों में युवा सर्वाधिक हैं। शहर के हनुमानताल थाना क्षेत्र के साथ घमापुर, बेलबाग, ओमती, अधारताल, गोहलपुर और रांझी क्षेत्र में में इंजेक्शन-सीरप की खपत अधिक है।

इस कारण भी बना रहता है खतरा

नशा एक ही सीरिंज से दो-तीन लोग ले लेते हैं, ये भी खतरनाक है। नशीले इंजेक्शन की कीमत 10 से 20 रुपए तक है, जबकि ब्लैक में यह 30 से 40 रुपये का बिकता है। एक सिरिंज की कीमत 10 रुपए है। कई बार पैसे बचाने के लिए नशेड़ी यूज किए हुए सिरिंज को ही नशा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं।

चार से 24 घंटे तक रहता है असर

एक डोज का असर लंबे समय तक रहता है। नशीली गोली का नशा 24 घंटे तक रहता है। जबकि इंजेक्शन-सीरप का नशा 4 से 6 घंटे तक ही रहता है। इंजेक्शन का नशा करने से संक्रामक रोग फैलने का खतरा होता है। जानकार डाक्टरों का कहना है कि हाथों की नस में इंजेक्शन लगाने में प्रशिक्षित नर्स भी कभी-कभी धोखा खा जाती हैं। नशा करने वाले लोग इंजेक्शन में दवा भरने के बाद पलक झपकते उसे नस में लगा लेते हैं।

स्टेट साइबर पुलिस ने नागपुर से किया गिरफ्तार

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले आरोपी को स्टेट साइबर पुलिस ने नागपुर से दबोच लिया है। आरोपी से पूछताछ कर पता लगाने का प्रयास किया जा रह है कि उससे और कहां-कहां साइबर फ्राड किया है। स्टेट साइबर पुलिस ने बताया कि सतना में रहने वाले अभिजीत जैन ने शिकायत दी थी एक व्यक्ति ने उसे झांसे में लेकर शेयर ट्रेडिंग में लंबे मुनाफा का सपना दिखाया। वह उसकी बातों में आ गया, जिसके बाद ठग ने उससे करीब 32 लाख रुपए ऐंठ लिए। शिकातय मिलने के बाद खाते में होल्ड लगवाकर साइबर पुलिस ने अभिजीत के 17 लाख रुपए तो तत्काल रिटर्न करा दिए थे लेकिन शेष रकम वापस नहीं मिल पाई थी। जांच में सामने आया कि ठगी करने वाला महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है और वहां से अपना पूरा रैकेट चलाता है। जिसके बाद योजनाबद्ध तरीके से आरोपी को नागपुर से दबोच लिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अन्य राज्यों में अपना नेटवर्क फैला रखा था और वहां के लोगों को भी उसने झांसे में लेकर लाखों रुपए की चपत लगाई है। उसके बैंक अकाउंट में अन्य राज्यों की पुलिस ने भी होल्ड लगवाया है।

मदन महल स्टेशन में यात्रियों को नहीं मिल रही एटीएम की सुविधा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा की शुरूआत करने वाले वालों को एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिल पा रही है,जिसके चलते यात्री परेशान हैं। बताया जाता है कि मदन महल स्टेशन से हर दिन लगभग चार से पांच सौ यात्री जनरल टिकिट खरीदने अथवा टिकिट आरक्षण करवाने के लिए आते हैं लेकिन जरूरत पड़ने पर एटीएम की सुविधा नहीं मिल पाती है। वहीं देखा जाए तो जबलपुर रेलवे स्टेशन पर दोनों प्रमुख प्लेटफार्म,1 व 6 नम्बर पर एटीएम बूथ की सुविधा रखी गई। यात्रियों की मांग है कि मदन महल में भी इस सुविधा को अतिशीघ्र शुरू किया जाना चाहिए।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, सड़क पर फैला मलबा

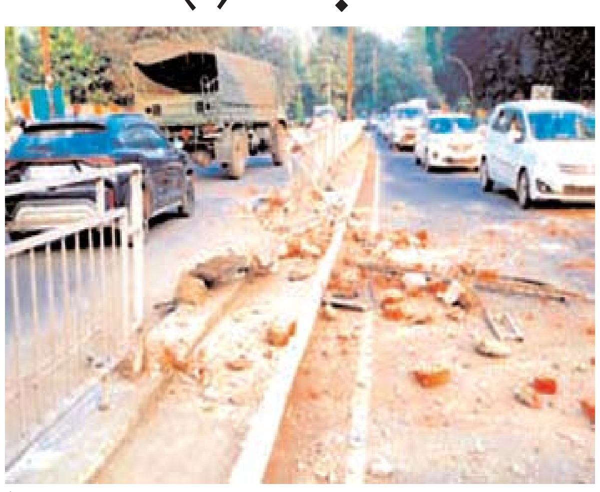

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सदर पेंटीनाका चौक के पास स्थित वाईएमसीए तिराहे पास आज सुबह एक तेज रफ्तार कार सीधे रोड डिवाइडर से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और डिवाइडर का मलबा सड़क पर फैल गया जिससे वहां से गुजरने वाले अन्य वाहन बमुश्किल वहां से गुजर सके। इस हादसे के चलते वाईएमसीए तिराहे पर कुछ देर के लिए तमाशबीनों का हुजूम लग गया और सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे-तैसे यातायात को सामान्य करवाकर दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार को सड़क के किनारे खड़ा करवाया। सूत्रों की मानें तो कार क्रमांक एमपी 20 सीके 2233 किसी आर्मी जवान की बताई जा रही है।

2 साल में एक भी मिलावटखोर नहीं पकड़ पाया खाद्य एवं औषधि विभाग

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। खाद्य प्रतिष्ठानों में बन रही मिठाई, नमकीन या अन्य खाद्य सामग्री में कितनी मिलावट की जा रही है, या फिर दवा स्टाकिस्टों व दवा दुकानदारों के पास अमानक दवाओं का कितना स्टॉक है, दुकानदारों के तराजू सही तौल कर रहे हैं या फिर वे सेट हैं, पेट्रोल पम्पों पर बिक रहा ईंधन शुद्ध है या नहीं, उनका मीटर सही तौल कर रहा या नहीं। इन सबके लिए बकायदा शासन के खाद्य एवं औषधि व नापतौल विभागों में बकायदा अलग-अलग निरीक्षक तैनात हैं। जिनका काम ही है मिलावटखोरों पर नजर रखने के साथ, अमानक दवाओं के क्रय-विक्रय को रोकना है, कम नाप करने वालों पर कार्रवाई करना है, लेकिन बीते दो सालों में खाद्य विभाग ने एक भी मिलावट खोर नहीं पकड़ा। यहीं कुछ स्थिति ड्रग निरीक्षकों की है जो दवा मार्केट में अमानक दवाओं बेचने वाले दूकानदार, स्टाकिस्ट व फैक्ट्री पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाए। नापतौल विभाग की बात तो और भी निराली है, वह आज तक एक भी दूकानदार की ठीक-ठाक नापतौल करने में असमर्थ रहा। पेट्रोल पंपों पर सरेआम लुट रहे उपभोक्ता को आज तक इन विभागों की तरफ से राहत भरी खबर नहीं मिली।

पूरे साल नहीं मिलते दफ्तरों में

औषधि विभाग का कार्यालय विक्टोरिया अस्पताल परिसर में स्थित है। यहां पर चार ड्रग निरीक्षक पदस्थ हैं, लेकिन कभी भी यहा एक भ्ज्ञी निरीक्षक नहीं पाया जाता। जब भी कोई कार्यालय किसी काम से जाता है तो बताया जाता है कि साहब फील्ड पर हैं। कल आकर मिलना, दुर्भाग्य यह कि यह कल भी नहीं आता। यही हाल खाद्य विभाग का है। पहले यह कार्यालय विक्टोरिया में था अब शहर 11 किमी दूर डुमना नेचर पार्क के समीप पहुंच गया है। नापतौल विभाग में दो निरीक्षक पदस्थ हैं दोनों से मुलाकात करना नामुमकिन है।

महीनों लग जाते हैं रिपोर्ट आने में

खाद्य विभाग में भी 6 खाद्य निरीक्षक हैं, जिन्हें हर माह कम से कम 50 केस करने का लक्ष्य मिला होता है। बीते साल इनके द्वारा करीब 983 के सैंपल लिए गए, लेकिन मात्र 133 केस ही बन पाए। इनकी रिपोर्ट आना बाकी है। जबकि पिछले साल करीब 300 केसों में 150 को सिर्फ जुर्माना करके छोड़ा गया। न तो किसी पर केस बनाया गया और न ही कोई मिलावट खोरी में पकड़ा गया, जबकि मिलावटखोरी पर 4-7 साल तक की सजा का प्रावधान हैं।

नापतौल विभाग- वजन मिलते ही खत्म हो जाती है वजनदारी

नापतोल विभाग आज कि किसी पेट्रोल पम्प पर जाकर यह नहीं चेक कर पाया कि, पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को किस कदर ठगा जा रहा है। हर पंप की जंपित 3 से 4 पाइंट पर सेट है। प्रतिदिन हर पंप में हजारों लीटर डीजल-पेट्रोल चुराया जा रहा, पर क्या मजाल कि आज तक किसी पंप के खिलाफ कार्रवाई की गई हो। यहां पहुंचे निरीक्षक का जेब वजन मिलते ही वजनदारी भूलकर उल्टे पांव लौट जाता है। दुकानदारों के तराजू- बांट की तौल सही है नहीं। सराफा कारीगरों का तराजू सही तौल कर रहा है या नहीं। इससे नापतौल विभाग का कोई लेना-देना नहीं है।

पत्रकार पर हमले का आरोपी अब भी आजाद, पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल...पत्रकारों में गहरा आक्रोश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी कलम को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था... लेकिन जब उसी कलम के सिपाही पर हमला हो और कानून खामोश रह जाए, तो सवाल सिर्फ व्यवस्था पर नहीं....हमारी संवेदनशीलता पर भी उठते हैं। पत्रकार प्रवीण नामदेव पर हुए हमले का आरोपी, जिस पर गैर-जमानती धाराओं में अपराध दर्ज है, अब भी खुलेआम शहर की गलियों में घूम रहा है। विडंबना यह है कि बीती रात उसने एक और जगह पर हंगामा भी किया, और फिर भी पुलिस के हाथ खाली हैं।

यह सिर्फ एक आरोपी की आजादी की कहानी नहीं, बल्कि पुलिस की निष्क्रियता का आईना है। बताया जा रहा है कि आरोपी को अधारताल क्षेत्र में कई बार देखा गया, मगर थाना प्रभारी और स्टाफ की आंखों से मानो उसे देखने की हिम्मत ही छिन गई हो।

मामले की शिकायत श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा एएसपी सूर्यकांत शर्मा से की गई थी। परिषद ने साफ कहा था....हम अपने साथी पत्रकार पर हुए हमले को मामूली घटना नहीं मानते। आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी हो और कठोर कार्रवाई की जाए। लेकिन अफसोस, कार्रवाई अब तक फाइलों में ही दबी हुई है।

पत्रकार और अधिवक्ता समुदाय में रोष गहराता जा रहा है। परिषद के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। दरअसल, यह मामला सिर्फ एक पत्रकार के साथ हुए हमले का नहीं है .... यह उस भरोसे के टूटने की कहानी है, जो जनता ने कानून व्यवस्था के नाम पर पुलिस के हाथों में सौंपा था। जब आरोपी बेखौफ घूमे और पुलिस तमाशबीन बनी रहे, तो सवाल उठना लाजमी है .... क्या अब पत्रकारों की सुरक्षा भी फाइलों की औपचारिकता बन चुकी है? पत्रकारों पर हमले अब कोई नई बात नहीं रह गए हैं। सवाल यह नहीं है कि एक प्रवीण नामदेव पर हमला क्यों हुआ, बल्कि यह है कि हमला करने वाला अब तक आजाद क्यों है। अगर कानून सिर्फ आम जनता के लिए सख्त है और सत्ता से जुड़े या प्रभावशाली लोगों के लिए नरम, तो यह लोकतंत्र नहीं...."प्रबंधित अराजकता" है। पत्रकार की कलम जब बोलती है, तो सत्ता असहज होती है। और यही असहजता कई बार हिंसा में बदल जाती है। लेकिन जब पुलिस उस हिंसा पर भी आंख मूंद ले, तो समझ लेना चाहिए....सिस्टम में डर खत्म हो चुका है। आज जरूरत है कि प्रशासन पत्रकार सुरक्षा को नारे से निकालकर जमीनी हकीकत बनाए। क्योंकि जब सच्चाई लिखने वाले असुरक्षित होंगे, तो सच खुद छिप जाएगा।

मुहम्मद अनवार बाबू

जबलपुर के आर्मी सेंटर के अंदर नाला में मिली युवक की लाश

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर स्थित आर्मी सेंटर के अंदर नाला में आज एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई. लाश मिलने की खबर पाते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाकर जांच शुरू कर दी है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार आर्मी के जीआरसी सेन्टर के अंदर नाला में एक युवक की लाश बहते हुए आई. दोपहर के वक्त सैन्य कर्मियों ने देखा तो रामपुर पुलिस को खबर दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाई. पुलिस का कहना है कि शव 5-6 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्ती के प्रयास शुरू कर दिए है. युवक ने आर्मी की बनियान पहन रखी है, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वह आउटसोर्स कर्मचारी है. हालांकि युवक की मौत किन परिस्थितियों में मौत हुई इसका पता नहीं चल पाया है।

म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के आगामी चुनाव वर्ष 2026 में सदस्य पद हेतु आपकी प्रथम वरीयता मत का आकांक्षी
गोपाल सिंह बघेल (अधिवक्ता)

म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
पता - हॉल नं 3 सीट नं 7 विधि भवन, म.प्र. उच्चन्यायालय जबलपुर (म.प्र.)
कार्यालय-निवास
कृष्णा कॉलोनी के पास राज परिसर सुहागी, जबलपुर (म.प्र.)
Mob.: 9229653295, 8989141208, 7987512717

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल मोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

69वीं राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता का अमरकंटक में आगाज, तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा क्रीड़ा परिसर

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। नर्मदा की पावन धरा पर अमरकंटक में एक नया इतिहास रचा गया। जिला शिक्षा विभाग अनूपपुर के तत्वावधान में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय सेपक टाकरा प्रतियोगिता का शुभारंभ बालक/कन्या क्रीड़ा परिसर, अमरकंटक में बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ हुआ। यह प्रतियोगिता आगामी 11 अक्टूबर तक चलेगी, जिसमें प्रदेश भर से प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएँ अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। राज्य के शहडोल, उज्जैन, सागर, जबलपुर, जनजातीय, ग्वालियर और इंदौर सहित विभिन्न संभागों से आए 240 खिलाड़ी मैदान में अपनी प्रतिभा आजमाने उतरे हैं। खिलाड़ियों के जोश और अनुशासन ने पूरे परिसर का वातावरण खेलमय और ऊर्जावान बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं और बैज से किया गया। स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति पीएम श्री स्कूल, अमरकंटक की छात्राओं ने दी, जिसने पूरे आयोजन को उत्साह और उल्लास से भर दिया। संबोधन में विधायक ने कहा की खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, एकता और संघर्ष की जीवंत पाठशाला हैं। हमें सदैव निष्पक्ष भाव से खेलना चाहिए और अपनी श्रेष्ठता पूरे मनोयोग से प्रदर्शित करनी चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सफलता और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उद्घाटन मैच शहडोल संभाग और जनजातीय संभाग के बीच खेला गया। तीन राउंड तक चले इस कड़े और रोमांचक संघर्ष में अंततः जनजातीय संभाग ने 15/13 से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का शुभारंभ विजयी अंदाज में किया। सेपक टाकरा, जिसे बुका बॉल, किक वॉलीबॉल या फुट वॉलीबॉल भी कहा जाता है, दक्षिण-पूर्व एशिया का लोकप्रिय खेल है। यह बैडमिंटन कोर्ट जैसे मैदान पर खेला जाता है, जिसमें खिलाड़ी गेंद को पैरों, घुटनों, छाती, कंधों और सिर की सहायता से जाल के पार भेजते हैं। इसे वॉलीबॉल और फुटबॉल का अनोखा संगम माना जाता है, जिसमें फुर्ती, ताकत और सामंजस्य की असाधारण आवश्यकता होती है।

पुष्पु के रसूख के दम पर फल फूल रहा जुआ, सट्टा का काला कारोबार,

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के बुढ़ार नगर में एक का 80 करने वाले काले कारोबार के शुरूआती दौर से ही पुष्पेंद्र मटका किंग के नाम से बुढार क्षेत्र में विख्यात है, कई वर्षों से नेता का काला कारोबार का साम्राज्य रसूख के दम पर भय मुक्त होकर धड़ल्ले से चल रहा है, दशहरा मैदान में दहाड़ने वाले इस सफेदपोश नेता की कई काले कारनामे इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं, गुरु के बाड़ा से लेकर नगर भर की गलियों में स्कूटर से फरार्टे भरने वाले नेता क्षेत्र में जुआं, सट्टा से गरीब लोगों का घर बर्बाद कर रहे है। शहडोल जुआ तथा सट्टा के काले कारोबारीयो के विरुद्ध जिले की पुलिस प्रशासन द्वारा मुहिम चलाकर समय-समय पर निरंतर कार्यवाही की जाती रही है, ऐसा नहीं है की पुलिस के हाथ इन अवैध काम करने वालों के आकाओ के गिरेबान तक पहुचंते है। लेकिन यदि पूरे जिले भर के सटोरियो तथा जुआ की फड का संचालन करने वाले नामी गिरामी नाल बाजो की बात करें तो निश्चित रूप से पुलिसिया कार्यवाही की गाज उन पर भी गिरती है, तो फिर बुढार का एक नामी ग्रामी मटका सटोरिया पुलिसिया कार्रवाई से आखिर क्यों है दूर आखिर क्या वजह है कि यह नेता पुलिस कवरेज क्षेत्र से बाहर है, आखिर हर बार कैसे बच जाता है, यह उपाध्यक्ष के पद पर आसीन हो चुके हैं, ऐसे में बुढार पुलिस की कार्यवाही पर सवाल उठना लाजिमी है, आपको बता दें कि बुढार ,धनपुरी तथा आसपास से ग्रामीण अंचल का अकेला सरगना है जो सट्टा खिलने वाले सटोरियों से खाई करता है, खाई के तात्पर्य है कि कल्याण तथा गोवा जैसे बड़े-पैमाने में काम करना इस सटोरीए के ऊपर आखिर किसकी निगाहे करम है। पुष्पु का और काला चिट्ठा जल्द अगले अंक में प्रकाशित करेंगे।

सचिव ने 4.8 लाख के फर्जी भुगतान का मामला उजागर, भ्रष्टाचार मुक्त सपना पर लग रहा ग्रहण

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के अनूपपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चुकान में पूर्व पंचायत सचिव श्रवण द्विवेदी द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों में दोहरे फर्जी भुगतान कर सरकारी राशि ?4,08,000 का गबन किए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त दस्तावेजों एवं वाउचर अभिलेखों से यह स्पष्ट हुआ है कि सचिव द्वारा पूर्व में पूर्ण हो चुके कार्यों के लिए पुनः भुगतान दिखाकर राशि निकाली गई। वर्ष 2020झ21 में स्वीकृत इस कार्य की कुल लागत ?3,86,000 थी। विभागीय अभिलेखों के अनुसार उक्त राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका था, फिर भी सचिव द्वारा वर्ष 2025 में ?90,000 का फर्जी भुगतान दिखाकर राशि गबन कर ली गई। इस कार्य की लागत ?5,00,000 थी, जिसका भुगतान दो अलग-अलग वर्क कोड – 55233697 एवं 52873552 से कर दिया गया। दोनों कोड से एक ही कार्य का भुगतान किए जाने के कारण कुल ?2,43,000 की फर्जी निकासी सामने आई है। वाउचर क्रमांक श्ऋ्रछ/2025-26/ढ/2 से श्ऋ्रछ/2025-26/ढ/9 तक के माध्यम से ?75,000 की संदिग्ध निकासी की गई, जिसे कार्यालय व्यय दिखाकर आहरित किया गया। सभी फर्जी भुगतानों को मिलाकर कुल ?4,08,000 की राशि गबन की गई है। यह राशि सचिव द्वारा विभिन्न वर्क कोड्स में हेराफेरी कर निकाली गई। इस पूरे मामले की शिकायत चुकान निवासी मनोज गुप्ता सहित कई ग्रामीणों ने मध्य प्रदेश के मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक दिलीप जायसवाल को एवं संबंधित अधिकारियों को की गई है। प्रार्थी ने अनुरोध किया है कि फर्जी भुगतानों की जांच कर दोषी सचिव के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि शासकीय धन की हानि की भरपाई हो सकें।

जल्द आ रही है मनोकामना माता काली, साल भर का इंतजार खत्म, श्रद्धालुओं को मिलेगा आशीर्वाद

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मां मनोकामना के भक्त शुभम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 अक्टूबर 2025 को अनूपपुर स्थित राम जानकी मंदिर के पास मां मनोकामना का आगमन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि मां मनोकामना का छठवें वर्ष में प्रवेश होने जा रहा है।साथ ही सभी नगर वासियों से उन्होंने अपील की है कि सभी नगर वासी अपने व्यस्ततम जीवन से समय निकालकर मां मनोकामना की सेवा एवं आराधना में अपना अमूल्य समय जरूर लगाए। मां मनोकामना के भक्त शुभम ठाकुर ने कहा कि बीते सभी वर्षों में सभी नगर वासियों का हमारी समिति को भरपूर स्नेह प्रेम एवं सहयोग प्राप्त हुआ है। जिसकी वजह से हमारी समिति निरंतर मां काली के भव्य पूजन को साल दर साल और अधिक भव्यता एवं सुंदरता के साथ मनाते आ रही हैं एवं आशा करते हैं आप सभी नगर वासियों का सहयोग

हमें इस वर्ष एवं आने वाले प्रत्येक वर्षों में बढ़ चढ़कर मिलता रहेगा। जिससे हमारी समिति आने वाले वर्षों में इस पूजन को और भी अधिक भव्य एवं दिव्य बनाने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा कि मां मनोकामना की कृपा एवं आशीर्वाद आप सभी पर सदैव बना रहे ।माता रानी सभी के कष्टों को हरे एवं सभी का भंडार भरे ।कार्यक्रम का विवरण देते हुए बताया कि दिनांक 19 अक्टूबर 2025 दिन रविवार बाजे गाजे के साथ मां का भव्य आगमन ।एकत्रीकरण राम जानकी मंदिर अनूपपुर वार्ड क्रमांक 4 समय शाम 4 बजे। 20 अक्टूबर 2025 दिन सोमवार मां काली की विशेष पूजा अर्चना एवं हवन रात्रि 12 बजे से प्रातः तक 21 अक्टूबर 2025 दिन मंगलवार भव्य कन्या पूजन एवं विशाल भंडारा दोपहर 12 बजे से एवं शाम 7 बजे अनूपपुर की भव्य एवं दिव्य प्रसिद्ध महा आरती एवं महाप्रसादी वितरण।56 भोग एवं भक्ति एवं ममता मयी भजनों के साथ मां की आराधना एवं देवी जागरण। 22 अक्टूबर 2025 प्रातः सिंदूर रश्म के पश्चात शाम 4.00 बजे मां मनोकामना अपने भक्तों को अंतिम दर्शन देने हेतु नगर भ्रमण के लिए निकलेंगी तत्पश्चात भीगी आंखों से माता काली का दुर्गा मंदिर मढ़िया प्रांगण में स्थित तालाब होगी विसर्जित।

हाई कोर्ट के निर्णय को दृष्टिगत विश्वविद्यालय के कुल गुरु को तत्काल हटाने की मांग- कैलाश तिवारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। पंडित शंभू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय कार्यसमिति के पूर्व सदस्य कैलाश तिवारी ने महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल को पत्र लिखकर मांग की है कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्णाय को दृष्टिगत रखते हुए पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलगुरु को तत्काल हटाया जाए कैलाश तिवारी ने भेजे गए पत्र में उल्लेख किया है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में विचाराधीन रिट याचिका संख्या 5435/2023 पर 22 सितंबर 2025 के न्यायमूर्ति के द्वारा निर्णय को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान कुलगुरु पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल को तत्काल पद से मुक्त कर न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखा जाए। न्यायपालिका के निर्णय से साबित हो गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा कानून का पालन नहीं किया जा रहा है तथा अवैध एवं मनमाना आदेश जारी किए जा रहे हैं। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल के वर्तमान प्रशासन द्वारा किए गए चयन प्रक्रिया को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा निरस्त किए जाने का यह मामला है। निर्णय में कहा गया है कि पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय का आदेश 06 फरवरी 2023 तथा जांच प्रतिवेदन दिनांक 28 सितम्बर 2022 अवैध एवं मनमाना घोषित कर रद्द किया गया। विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया की मॉडल उत्तर कुंजी जारी करें। अभ्यर्थियों से आपत्ति आमंत्रित कर उनका निराकरण करें ।चयन समिति गठित कर अंतिम मेरिट सूची तैयार करें। संपूर्ण प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूर्ण करें। कैलाश तिवारी ने कहा है कि उच्च शिक्षा शिक्षण संस्थान में नियमों एवं कानून का पालन न करने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह गंभीर मामला है। शिक्षण संस्थानों में जहां न्याय की शिक्षा दी जाती है इस प्रकार के कृत्य निंदनीय है।

गांव में आ धमका भालू, लोगो मे दहशत का माहौल, वन विभाग एलर्ट रहने की ग्रामीणों से की अपील

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। केशवाही वन परिक्षेत्र के बलबहरा गांव में भालू का तांडव लगातार बना हुआ है, क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से भालू घूम रहा है,और रिहायशी क्षेत्र में नजर आ रहा है, जिससे लोगों में काफी दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग जानकारी के बाद मौके पर पहुंच लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। भालू ने भुट्टे की फसल को नुकसान पहुंचाया है। रामप्रताप सिंह ने बताया कि बलबहरा गांव में स्थित राम मंदिर के पास भालू बीते दिनों देखा गया था, जिसके बाद गांव के लोग इकट्ठा हो गए और उसे खदेड़ कर जंगल की ओर भगा दिया,और अब गांव से लगे एक खेत में भालू आ पहुंचा, तभी खेत में मौजूद एक शख्स ने भालू के भागने की वीडियो मोबाइल कैमरे में कैद ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भालू पिछले एक सप्ताह से लगातार गांव की ओर आ रहा है, वन विभाग को पूर्व में भी इसकी जानकारी दी जा चुकी है, वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रही है। लोगों के अनुसार भुट्टे की फसल को भालु ने काफी नुकसान पहुंचा है।

केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी ने कहा कि जैतपुर और केशवाही में स्थित पहाड़ में कई भालू रहते है। उसमें से कुछ भटक कर गांव की ओर भोजन और पानी के लिए आ जाते है। जो लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते है। जानकारी के बाद हमने दो टीमों को क्षेत्र में गस्ती के लिए तैनात किया है,टीम क्षेत्र में लगातार गस्ती कर रही है। और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है ।लगातार हम समय-समय पर मुनादी भी करवाते हैं। भालू अभी बलबहरा जंगल में चला गया है।

नर्स से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के देवलौंद पुलिस ने नर्स से छेड़छाड़ करने मामले में चंद घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है ।घटना एक सरकारी अस्पताल में हुई थी, जहां ड्यूटी में तैनात नर्स सड़क हादसे में घायल मरीजों का इलाज कर रही थी, तभी आरोपी पहुंचा और नर्स से छेड़छाड़ की , घटना को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था, शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया पीड़िता की शिकायत पर आरोपी राजेश बैस पिता रामकरण बैस निवासी बुड़वा पर कई धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। और कुछ घंटों में ही आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर नेशनल हाईवे पर आज रात लगभग 11:20 बजे एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। दावत होटल के पास, एक ट्रक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी और रौंदते हुए ट्रक लेकर फरार हो गया।

पुलिस की कार्यवाही, अवैध रेत परिवहन व उत्तखनन में ट्रैक्टर, मेटाडोर जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते दो वाहनों को पुलिस ने जप्त कर कार्यवाही की है। सोहागपुर पुलिस ने दो अलग अलग स्थानों से वाहनों को जप्त कर वाहन चालक एवं मालिक पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सोहागपुर थाना प्रभारी एवं उनकी टीम ने दो अलग-अलग स्थान से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते कार्यवाही कर एक मिनी ट्रक और एक ट्रैक्टर को जप्त किया है। थाना प्रभारी ने बताया की रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था, तभी मुखबिर की सूचना मिली, और पुलिस ने धुरवार गांव से एक ट्रैक्टर को जप्त किया है। पुलिस के अनुसार सरफा नदी से रेत का अवैध खनन किया गया था , पुलिस देख चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने बताया वाहन मालिक पप्पू साहू है। पुलिस ने चालक एवं मालिक पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। कोटमा गांव से पुलिस ने एक मिनी ट्रक को जप्त किया है। जिसमें रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था। थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि मिनी ट्रक में छतवाई से रेत लोड कर उसका परिवहन हो रहा था, तभी पुलिस ने कोटमा गांव से वाहन को जप्त किया है। वाहन मालिक फैजान है। पुलिस ने कहा कि मिनी ट्रक को खनिज के सुपुर्द कर दिया है, जो मामले की जांच कर रही है।

वर्ष 2024-25 के लिए सर्वोत्तम समूह एवं सर्वोत्तम कृषक पुरुस्कार हेतु 20 अक्टूबर 2025 तक आवेदन आमंत्रित

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। 2025- परियोजना संचालक आत्मा किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी दी है कि मूल्यांकन वर्ष 2024-25 हेतु कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम ह्यआत्माह्य अंतर्गत सर्वोत्तम समूह एवं सर्वोत्तम कृषक पुरुस्कार के लिए आवेदन 20 अक्टूबर 2025 तक आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक कृषक अपना आवेदन निर्धारित प्रारुप में प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी तथा आत्मा अंतर्गत बी.टी.एम./ए.टी.एम. से संपर्क कर कार्यालय में 20 अक्टूबर 2025 तक प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन पत्र का प्रारुप विकासखंड स्तर पर संबंधित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। जिले के ऐसे उन्नतशील कृषक जिनके द्वारा वैज्ञानिक तरीके से नवीन कृषि तकनीक अपनाकर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा कृषि अभियांत्रिकी में सर्वोत्तम उत्पादन कर रहे हैं ऐसे कृषक इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। ऐसे कृषक जो पूर्व में पुरुस्कार प्राप्त कर चुके है उनको आगामी 10 वर्षों तक पुरुस्कार हेतु शामिल नहीं किया जा सकेगा। जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरुस्कार की राशि 25 हजार, विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरुस्कार राशि 10 हजार, जिला स्तरीय सर्वोत्तम समूह पुरुस्कार राशि 20 हजार रुपये दी जायेगी।

कबाड़ से भरा पीकप पलटा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में कबाड़ से भरी एक पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। हादसे के कारण सड़क पर एक घंटे तक जाम लग गया ।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को रास्ते से हटवाकर यातायात बहाल किया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बिजुरी पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम करीब 5:30 बजे जफर इंटरप्राइजेज के पास हुई। यह पिकअप शंकर कबाड़ी की बताई जा रही है। पुलिस ने वाहन मालिक से कबाड़ से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तन और मन को स्वस्थ रखता है योग, ध्यान

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में पंडित अटल बिहारी वाजपेई शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर जिला में 09/10/25 को योग,ध्यान एवं आसनो के संबंध मे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी जी द्वारा योग का कार्यक्रम कराया गया जिसमें श्रद्धेय प्राचार्य मानसिक स्वास्थ्य व शारीरिक स्वास्थ्य मे योग एवं ध्यान में प्राथमिकता देने के संदर्भ में छात्र एवं छात्राओं को विशेष जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में योग शिक्षक शु अंचल तिवारी द्वारा योग एवं आसनो के बारें में बताया गया। जिसमें उष्ट्रासन ताड़ासन और वृक्षासन और ध्यान के बारें में सिखाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बड़ी गंभीरता से सारी बातों को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम का आभार व धन्यवाद डॉ प्रमिला मैम द्वारा किया गया । आज के कार्यक्रम में डॉ उत्तम सर डॉ लवकुश दीपेंद्र, गजेंद्र परते सहायक प्राध्यापक डॉ आदित्य शुक्ला, डॉ मुनव्वर अली, डॉ मुकेश सिंह, डॉ रागिनी गुप्ता,डॉ अर्चना मैम डॉ प्रीति रजक, सु दीपक रानी, रामपाल सिंह, राजेंद्र साकेत, महेन्द्र साकेत आदि समस्त शैक्षणिक स्टाफ, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की गरिमा मयी उपस्थिति रही।

बाबा साहब के अपमान से नाराज भीम आर्मी

सेना ने अधिवक्ताओं का फूंका पुतला, अध्यक्ष बोरकर बोले नहीं हुई कार्यवाही तो अधिवक्ता मिश्रा के घर फेंकेगे 10 लाख जूते

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। डॉ. बाबा साहब के अपमान के खिलाफ, भीम आर्मी सेना ने गुरूवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्वालियर के अधिवक्ता अनिल मिश्रा और सीजेआई गवई पर जूते फेंकने वाले अधिवक्ता राकेश का पुतला फूंका। भीम आर्मी सेना जिलाध्यक्ष रितेश बोरकर ने बताया कि यदि, इन पर कोई कार्यवाही नहीं होती है तो 15 अक्टूबर को पूरे देश से भीम आर्मी सेना, ग्वालियर में अनिल मिश्रा के घर में 10 लाख जूते और जूते की माला फेंकेगे। जिसमें जिले से भी हजारों की संख्या में भीम आर्मी सेना के लोग जाएंगे। दरअसल, बीते 5 अक्टूबर को ग्वालियर के अधिवक्ता अनिल मिश्रा का, डॉ. बाबा साहब को अंग्रेजो का जासूस और उनके वजूद को खत्म करने को लेकर सोशल मीडिया में बयान आया था। इसके साथ ही हाल ही में सीजेआई गवई पर, अदालत में जूता फेंकने की घटना पर भीम आर्मी सेना ने आक्रोश जताया है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिलाध्यक्ष रितेश बोरकर ने बताया कि बाबा साहब पर की जा रही अनर्गल टिप्पणी और जूते फेंकने की घटना पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। जिससे साफ है कि उन्हें सत्ता का संरक्षण है। आज तक कभी ऐसा नहीं देखा कि किसी वर्ग या जाति विशेष पर कोई की टिप्पणी के बाद, ऐसी घटना हुई है। जो देश में मनुवादी सोच को प्रदर्शित करता है, जिसका हम विरोध करते है और मांग करते है कि जल्द ही इन पर कार्यवाही हो अन्यथा भार्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश अध्यक्ष के आव्हान पर 15 अक्टूबर को उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसमें 10 लाख जूते, ग्वालियर के अधिवक्ता, अनिल मिश्रा के घर में भीम आर्मी सेना फेकेगी।

मान्यवर साहब कांशीरामजी के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रृद्धांजली सभा व विचार संगोष्ठी का आयोजन कर बसपा ने निकाली विशाल रैली, सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर।

बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान मे मान्यवर साहब कांशीरामजी के 19 वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय श्रृद्धांजली सभा व विचार संगोष्ठी का आयोजन पंवार मंगल भवन लॉन किरनापुर में किया गया। तत्पश्चात् पंवार मंगल भवन लॉन से एक विशाल रैली बस स्टैण्ड किरनापुर होते हुए पुलिस थाना किरनापुर पहुंची, जहां बसपा नेताओं द्वारा महामहिम राष्टपति महोदय के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम किरनापुर को सौंपा गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम बहुजन समाज के महापुरुषों, डॉ बाबा साहब अम्बेडकर, मान्यवर साहब कांशीराम एवं अन्य महापुरुषों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर म. प्र. के बसपा नेता पी एस मंडेलिया, विशिष्ट अतिथि के रूप मे दुर्गेश बिसेन जिला प्रभारी बसपा बालाघाट, दीपक मेश्राम जिला प्रभारी बसपा बालाघाट, विशेष अतिथि के रूप मे रंजीत जुगनाके जिला उपाध्यक्ष बसपा बालाघाट, कांशीराम नगपुरे जिला सचिव बसपा बालाघाट, देवाजी रामटेके जिला कोषाध्यक्ष, गेंदलाल तांडेकर कार्यकारिणी सदस्य बसपा बालाघाट, राजु कुमरे बसपा नेता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजिनियर महेन्द्र जिला अध्यक्ष बसपा बालाघाट द्वारा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी एस मंडेलिया द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा भारतीय संविधान के माध्यम से लोगो को दिए गए एक वोट की कीमत को विस्तार से समझाया तथा मान्यवर साहब कांशीराम जी द्वारा बहुजन समाज को एकजुट कर उनके द्वारा किए गए संघर्ष को याद किया। वही कार्यक्रम अध्यक्ष इंजी महेंद्र ने संगठन को सभी पोलिंग बूथ स्तर पर मजबूती प्रदान करने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

तभी जिले में हाथी जीत सकता है। अंत मे एक विशाल रैली नारे लगाते हुए पुलिस थाना किरनापुर पहुंची जहां एडवोकेट अनिल मिश्रा के विरुद्ध, संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संबंध में अमर्यादित भाषा बोलने एवं भड़काऊ वक्तव्य देने के संबोध में एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एसडीएम किरनापुर मयाराम कौल को ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान अन्य प्रशासनिक अधिकारी नायब तहसीलदार किरनापुर बबीता सूर्या, थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा सहित अधीनस्थ अमला मौजूद रहा। ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान बसपा नेता इंजी. महेन्द्र ने बताया कि एडवोकेट अनिल मिश्रा द्वारा आचरण न्यूज, ग्वालियर पर लाईव के माध्यम से जिसे कुलदीप धनवई, की आई.डी. से सोशल मीडिया पर वायरल होकर देखा जा सकता है। डॉ. अंबेडकर के विरुद्ध बहुत ही निंदनीय, अमर्यादित एवं भड़काऊ वक्तव्य दिया गया है जिससे देश व दुनियां के सभी अंबेडकरवादी तथा संविधान प्रेमी लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। सर्वविदित है।

परम पूज्य बाबा साहब डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री होकर सच्चे राष्ट भक्त है। के निर्माण में बाबा साहब का योगदान किसी भी राष्ट्रभक्त से अत्यधिक ही है। भारत देश में डॉ. अंबेडकर करोड़ों दलित, पिछड़े, गरीब, महिला एवं वंचित समाज के राष्ट लिए मसीहा ही नहीं भगवान हैं। एडवोकेट अनिल मिश्रा ने डॉ. अंबेडकर को गंदा व्यक्ति, अंग्रजों को गुलाम तथा उन्हें संविधान निर्माता न कहा जावे, ऐसा वक्तव्य दिया है। जो निश्चित ही हमारे देश वो प्रति किसी गहरी साजिश का अंदेशा है। ऐसा लगता है कि, अनिल मिश्र जैसे जातिवादी लोगों के माध्यम से विदेशी शक्तियां भारत देश में सांप्रदायिकता भड़का कर देश को तोड़ना चाहती हैं। बहुजन समाज पार्टी मांग करती हैं कि अनिल मिश्रा के विरुद्ध हमारी आस्था को ठेस पहुंचाने एवं राष्ट द्रोह के तहत एफ आई आर दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही की जाये। इस दौरान बड़ी तादाद मे जिले भर से आए हुए बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस, वर्षावास समापन, प्रवचन मालिका मिलन सम्मान समारोह में शामिल होगें जिले के कार्यकर्ता

महाबोधी महाविहार मुक्ति हेतु पूज्य भंते विनयाचार्य का आगमन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। 12 अक्टुबर 2025 को भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया जिला शाखा इंदौर द्वारा धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस, वर्षावास समापन समारोह, प्रबोधन मालिका, मिलन सम्मान समारोह एवं मैत्री भोज का आयोजन ताई मंगेशकर सभागृह ईस्वा कालेज के सामने लोहामंडी इंदौर में किया गया है। समारोह के मुख्य अतिथि क्रांतिकारी भंते विनयाचार्य बोधगया होगें। प्रमुख अतिथि यो में एस.के. भडारे सर ट्रस्टी व राष्टीय उपाध्यक्ष एवं स्टाफ आफिसर स्स्ष्ठ, बी.एच.गायकवाड गुरूजी राष्टीय सचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी मुंबई, गौतम पाटिल राष्टीय संघठक भोपाल, एवं डॉ. चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष एवं केन्द्रीय शिक्षक मप्र राज्य शाखा होगें। वही विशेष अतिथियों में डॉ.उत्तम प्रधान मप्र,महामंत्री एवं लेफिटीनेट कर्नल स्स्ष्ठ,डॉ. शांताराम वाघ सर उपाध्यक्ष एवं

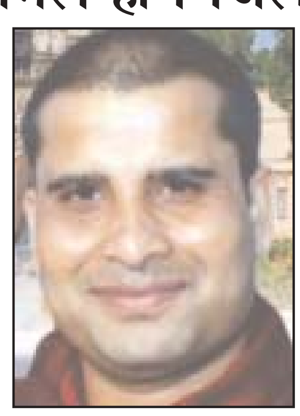

लेफटीनेट कर्नल स्स्ष्ठ इंदौर, शशिकांत वानखेडे एवं कैलाश इंगले राज्य संघठक इंदौर, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्य. सचिव (बालाघाट), समारोह की अध्यक्षता शुभम रायपुरे, जिलाध्यक्ष क्स्ष्ठ इंदौर द्वारा की जावेगी। इस अवसर पर समता सैनिक दल द्वारा मार्च निकालकर बाबा साहेब को मान वंदना दी जावेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षक, बोद्धाचार्य एव अतिथियों का सम्मान समारोह भी आयोजित होगा। अतः संघठन के समस्त पदाधिकारी, आंबेडकरी बौद्ध अनुयायियो से उक्त समारोह में उपस्थित होने अपील बालाघाट, इंदौर, जिला एवं मप्र. राज्य शाखा द्वारा की गई है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी द्वारा 09 अक्टूबर को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। भारत सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति के हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन एवं बेटी बचाओं बेटी पढाओं के अंतर्गत यह जागरूकता अभियान विकासखंड बैहर के पंचायत गढी ग्राम कुकररा, विकासखंड किरनापुर के शासकीय उच्चतर शाला पिपरझरी में आयोजित की गई।

कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दो के बारे में कलंक को समाप्त करने एवं महिलाओं में तनाव व मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा की गई। महिलाओं एवं बाल आधारित कानूनों की जानकारी, बाल विवाह को समाप्त करने, लकियों के विरुद्ध हिंसा को रोकने और पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चो के अधिकारों के बारे में जागरूकता लाने के साथ-साथ लकियों और लको दोनों के लिए एक सुरक्षित और सहायक वातावरण को बावा देने पर चर्चा कर वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध एवं गुड टच बेड टच के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर शाला पिपरझरी के समस्त शिक्षिकगण व छात्र-छात्राए, ग्राम कुकर्रा के सरपंच नरेन्द्र चीचाम, वन स्टॉप सेंटर की वर्कर सुनिता पारधी, यनिता रहांगडाले एवं प्रीति हरिनखेडे और सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटर विजेता राउत उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए 01 लाख 05 हजार 239 किसानों का हुआ पंजीयन,10 अक्टूबर पंजीयन की अंतिम तारीख

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। चालू खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित है। अब तक जिले के 01 लाख 05 हजार 239 किसानों का पंजीयन हो चुका है। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे 10 अक्टूबर तक अपना पंजीयन अवश्य करा लें। पंजीयन होने पर ही किसान अपनी धान समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकेंगें।

जिला आपूर्ति अधिकारी आरएस ठाकुर ने बताया कि धान पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2025 निर्धारित है। 09 अक्टूबर तक जिले की 11 तहसीलों में 01 लाख 05 हजार 239 किसानों द्वारा 01 लाख 46 हजार 447 हेक्टेयर रकबे की धान का पंजीयन कराया गया है। जिसमें लालबर्रा तहसील से 15143, खैरलांजी से 13220, वारासिवनी से 12441, किरनापुर से 11258, बालाघाट से 11087, लांजी से 10257, बिरसा से 8336, कटंगी से 8286, परसवाा से 5919, तिरोंी से 5027 एवं बैहर तहसील से 4265 किसानों ने धान उपार्जन के लिए अपना पंजीयन कराया है।

वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले के 01 लाख 30 हजार 810 किसानों ने 01 लाख 76 हजार 420 हेक्टेयर रकबे की धान फसल का पंजीयन कराया था। पंजीयन कराने से शेष रह गये किसानों से अपील की गई है कि वे भी समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री के लिए 10 अक्टूबर तक अपना पंजीयन अवश्य करायें। किसान सहकारी समिति के केन्द्र या एमपी आनलाईन कियोस्क से अपना पंजीयन करा सकते हैं।

लालबर्रा महाविद्यालय में साइबर जाग्रत भारत थीम पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 09 अक्टूबर को साइबर जाग्रत थीम पर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष पूजन, अर्चन व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुनिल चतुर्वेदी नगर निरीक्षक (टीआई) लालबर्रा की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र कुमार खण्डायंत द्वारा की गई।

इस अवसर पर चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को अपने उद्बोधन में कहा कि साइबर जाग्रत भारत थीम पर साइबर सुरक्षा जागरूकता के अन्तर्गत एटीएम कार्ड फ्राड, यूपीआई, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराध से बचाव के लिए सावधानियॉ जैसे किसी भी प्रकार की लाटरी इनाम, कैश बेक, केबीसी लक्की ड्रा, बीमा आदि के लुभावने आर्फस से सावधान रहे। साथ ही सोशल मीडिया, मेसेजिंग ऐप, इंस्ट्राग्राम एक्स, वाट्सअप, टेलीग्राम आदि पर 2-स्टेप वेरिफिकेशन विकल्प ऑन रखे ताकि कोई आपके अकाऊंट को हेक न कर सके।

वृद्धजनों एवं महिलाओं हेतु साइबर अपराध से बचने के उपाय बताये तथा अन्य तथ्य परख महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खण्डायत ने अपने व्याख्यान में कहा कि विद्यार्थियों को साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता रखते हुये ऑनलाईन शापिंग करते समय सावधानियॉ रखनी चाहिए तथा ऑनलाईन ठगी होने पर तुरन्त 1930 पर फोन करना चाहिए। कार्यशाला कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में एवं रेड रिबन क्लब के प्रभारी नरेश सौलखे सहायक प्राध्यापक के सहयोग से पूर्ण कि गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त विद्यालय स्टॉफ एवं विद्यार्थियों का योगदान रहा।

जन अभियान परिषद कटंगी द्वारा महाविद्यालय परिसर में किया पौधारोपण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर के सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा 09 अक्टूबर को एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत महाविद्यालय परिसर कंटगी में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए पौधारोपण अनिवार्य है। हम सब सामाजिक कार्यकर्ता अपने अपने प्रयोगशाला ग्राम में प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारीयों के साथ मिलकर स्वैच्छिकता, सामुहिक सहभागिता सुनिश्चित कर पौधारोपण अवश्य करे। श्री भगत ने कहा कि जन्म दिवस, विवाह वर्षगांठ अन्य मांगलिक कार्यों के अवसर पर फलदार, छायादार पौधों का रोपण कर उसका संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोरोना कल के समय ऑक्सीजन की कमी के कारण हम सब ने बहुत संघर्ष किया है इसलिए सभी को सामुहिक मिलकर पौधारोपण करने का संकल्प लेना चाहिए।